पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

दूसरी बार पेरेंट्स बनेंगे दीपिका-रणवीर

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का

लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

वर्ष : 44 ■ अंक : 43 ■ सोमवार 20 अप्रैल 2026 ■ 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com Google Play

GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play | Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel | Subscribe

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A.

Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

आठ मंज़िला कचरे का ढेर

रहिवासियों की जान खतरे में — उल्हासनगर में सालों से खत्म नहीं हो रही कचरा डंपिंग की समस्या

■ **महानगरपालिका कब जागेगी?**

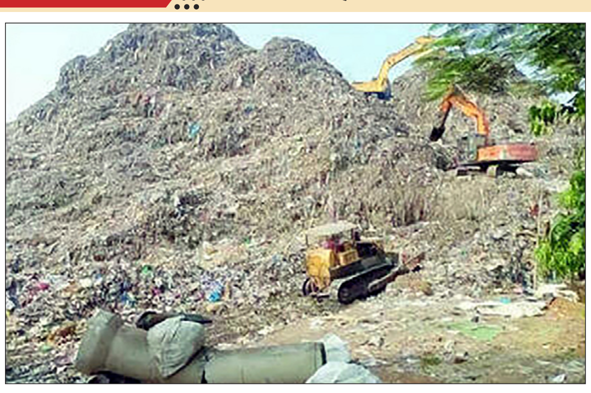

उल्हासनगर. प्रोजेक्ट की घोषणाओं, करोड़ों रुपये के प्लान और डंपिंग ग्राउंड बदलने की कहानियों के बावजूद, उल्हासनगर की कचरे की समस्या आज भी वैसी ही है! शहर की सीमाओं पर खड़ा कचरे का पहाड़ अब न सिर्फ़ पर्यावरण के लिए बल्कि लोगों की ज़िंदगी के लिए भी एक गंभीर मुद्दा बन गया है.

उल्हासनगर शहर में घनकचरा व्यवस्थापन का मुद्दा पिछले 25 सालों से प्रलंबित है. 2015 से पहले उल्हासनगर-2 में खेमानी के पास म्हारल गाँव के पहाड़ पर कचरा डंप किया जाता था. समय के साथ यहाँ कचरे का एक बहुत बड़ा पहाड़ बन गया और स्थानीय लोगों के कड़े विरोध के बाद उस डंपिंग ग्राउंड को बंद कर दिया गया. हालाँकि, आज भी उस जगह पर कचरे का पूरा साइंटिफिक मैनेजमेंट नहीं है.

इसके बाद 2015 में नवी मुंबई के पास तलोजा में एक रीजनल वेस्ट मैनेजमेंट प्रोजेक्ट बनाने का बड़ा प्लान बनाया गया. इसका मकसद उल्हासनगर, कल्याण-डोंबिवली, भिवंडी, अंबरनाथ और बदलापुर शहरों के कचरे को एक साथ प्रोसेस करना था. हालांकि, यह प्रोजेक्ट भी कागज़ों पर ही रह गया.

बाद में 2018 में अंबरनाथ तालुका के उसाटने गांव में 30 एकड़ ज़मीन लेकर नया प्रोजेक्ट लगाने की कोशिश की गई, लेकिन स्थानीय लोगों के विरोध की वजह से यह भी अधूरा रह गया. 2016 के बाद से उल्हासनगर कैंप 5 के डंपिंग ग्राउंड में हर दिन करीब 360 टन कचरा डाला जा रहा है. सही प्रोसेसिंग न होने की वजह से यहां आठ मंज़िल जितना ऊंचा कचरे का पहाड़ जमा हो गया है, और अब इस जगह की कैपेसिटी खत्म हो रही है. कचरे के इस ढेर से लैंडस्लाइड का खतरा है, जिससे नीचे झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले लोगों की जान को गंभीर खतरा है.

संतों को भी शहर से बाहर रहने की सलाह

इस बीच, शहर में बढ़ते प्रदूषण का असर लोगों की सेहत पर भी पड़ रहा है. उल्हासनगर शहर के मशहूर सिंधी संत देव प्रकाश महाराज को भी डॉक्टरों की सलाह पर शहर से बाहर रहना पड़ा है, यह स्थिति की गंभीरता को दिखाता है. इसलिए, लोग मांग कर रहे हैं कि प्रशासन ठोस कदम उठाए और लंबे समय से चली आ रही इस समस्या का कोई पक्का हल निकाले.

6 साल पहले मंज़ूरी मिलने के बावजूद प्रोजेक्ट शुरू नहीं

बदलापुर के वालीवली में 2020 में 148 करोड़ रुपये के एक जॉइंट वेस्ट प्रोजेक्ट को मंज़ूरी मिली थी. हालांकि, छह साल बाद भी यह प्रोजेक्ट असल में शुरू नहीं हुआ है. फिलहाल, 500 टन की कैपेसिटी वाला एक जॉइंट बदलापुर-अंबरनाथ प्रोजेक्ट बनाने की कोशिशें चल रही हैं, और इसमें उल्हासनगर को भी शामिल करने का प्लान है.

ट्रैफिक पुलिस ने नियम तोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई की

उल्हासनगर. रायता के पास एक भयानक सड़क हादसे में 11 लोगों की मौत के बाद, ट्रैफिक पुलिस ने नियम तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। उल्हासनगर ट्रैफिक पुलिस ने शहर से गुजरने वाले नेशनल और स्टेट हाईवे पर चौराहों पर नाकाबंदी करके नियम तोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है।

कल्याण से मुरबाड जा रही एक काली-पीली इको कार के ड्राइवर ने कंट्रोल खो दिया और सामने से आ रहे एक मिक्सर ट्रक को टक्कर मार दी। इस भयानक हादसे में 11 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो घायलों का अभी इलाज चल रहा है। इस घटना के बाद, उल्हासनगर ट्रैफिक पुलिस ने एक खास ऑपरेशन शुरू किया।

दो दिनों में 13 अलग-अलग जगहों पर गैर-कानूनी तरीके से यात्रियों को ले जा रही गाड़ियों के खिलाफ कार्रवाई की गई। सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर राजेश शिरसाट के गाइडेंस में पुलिस सब-इंस्पेक्टर नरेंद्र अहिरे, गोरख चौधरी, असिस्टेंट पुलिस इंस्पेक्टर पंढरीनाथ काले, लक्ष्मण पंडेर, गणेश शेलार, संजय बेंद्रे, संतोष भोईर, मनोज काले, नाना आव्हाड, सुनील सकपाल, रंजीत खोत, परेश वारंग और जानू वत्स की टीम ने यह ऑपरेशन किया।

513 ड्राइवरों पर पेनल्टी की कार्रवाई

इस कैंपेन में कुल 513 ड्राइवरों पर पेनल्टी लगाई गई। इसमें बिना हेलमेट के टू-व्हीलर चलाना, सीट बेल्ट न लगाना, गाड़ी के वैलिड पेपर न होना, गाड़ी चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल करना, ट्रिपल सीट ट्रैवल, टिंटेड विंडो का इस्तेमाल, प्राइवेट गाड़ी में पैसेंजर ले जाना, गलत दिशा में गाड़ी चलाना और शराब पीकर गाड़ी चलाना जैसे कई नियमों का उल्लंघन शामिल है। इस पूरे ऑपरेशन से ऑनलाइन कुल 4,30,350 रुपये का फाइन वसूला गया है। उल्हासनगर ट्रैफिक ब्रांच के असिस्टेंट पुलिस कमिश्नर किरण बलवडकर ने कहा कि रोड सेफ्टी पक्का करने के लिए आगे भी इसी तरह की कार्रवाई जारी रहेगी।

भंगार के गोदाम में आग लगी, कोई हताहत नहीं

ठाणे. ठाणे महानगरपालिका क्षेत्र अंतर्गत शीलफाटा-महापे रोड स्थित एक भंगार गोदाम में रविवार को सुबह लगभग साढ़े 6 बजे आग लग गयी. दुर्घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है. अग्निशमन दल के जवानों ने लगभग 5 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया. मनपा के आपदा प्रबंधन कक्ष प्रमुख यासीन तडवी ने बताया कि दिवा क्षेत्र में शीलफाटा-महापे रोड स्थित शमीम कंपाउंड के गोदाम में सुबह लगभग छह बजकर 40 मिनट पर आग लगने की जानकारी मिली. उन्होंने बताया कि आग में एक हाइड्रोलिक पेपर बेलिंग प्रेस, गोदाम में रखा गत्ते का बड़ा कबाड़ और बिजली की तार जलकर खाक हो गए.

वालधुनी नदी से जुड़ने वाले नाले में बदबू बढ़ी

■ **सीवेज छोड़ने से नागरिक परेशान**

■ **पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड ने की जांच**

अंबरनाथ. अंबरनाथ के पूर्वी हिस्से में गोविंद तीर्थ पुल के नीचे बहने वाले नाले में पॉल्यूशन लेवल दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है, जिससे स्थानीय नागरिकों को बदबू का सामना करना पड़ रहा है। यह नाला आगे वालधुनी नदी में मिल जाता है। इसलिए, स्थानीय लोग इस गंभीर समस्या की ओर प्रशासन का तुरंत ध्यान दिलाने के लिए पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड पहुंचे थे। उसके बाद, गुरुवार को पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के अधिकारियों ने अंबरनाथ का जांच किया और नाले से सीवेज के सैंपल लिए।

पॉल्यूशन की वजह से अंबरनाथ शहर से होकर बहने वाली वालधुनी नदी सीवर बन गई है। शहर से बहते हुए कई जगहों से सीवेज इस नदी में आता है। इस बिना ट्रीट किए गए सीवेज की वजह से नदी का रंग कई जगहों पर काला हो गया है। उल्हासनगर में इस नदी का रंग अक्सर बदलता हुआ देखा जाता है। कुछ महीने पहले इस नदी में मिलने वाले नैचुरल नालों पर अतिक्रमण का मामला सामने आया था। वहीं, इन नालों के पास जींस धोने की फैक्ट्रियां भी चलती देखी गईं। इस पर कार्रवाई भी की गई, लेकिन उसके बाद भी नालों से गंदा सीवेज बहता देखा गया।

देखा गया है कि अंबरनाथ ईस्ट में गोविंदतीर्थ पुल के पास नाले का पानी बहुत गंदा है। इस वजह से इलाके में भयानक बदबू फैल गई है। नाले से सटे समर्थ गृह सोसायटी, डिफेंस कॉलोनी, मोहन पुरम और स्वामी देवप्रकाश संकुल के लोग इस समस्या से सबसे ज़्यादा परेशान हैं। यहां गंदे और गंदे पानी की वजह से लोगों का घरों में रहना मुश्किल हो गया है, और गंभीर हेल्थ प्रॉब्लम होने का डर है। इसका असर खासकर छोटे बच्चों और सीनियर सिटिजन की हेल्थ पर पड़ रहा है। इसलिए, उन्होंने लोकल कॉर्पोरेटर से इसकी शिकायत की थी। इसके बाद कॉर्पोरेटर कुणाल भोईर ने इस बारे में महाराष्ट्र पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड को लेटर लिखकर इस पर कंट्रोल करने की मांग की थी।

पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के संबंधित अधिकारियों ने इलाके का तुरंत फिजिकल इंस्पेक्शन करने की भी मांग की थी। फिर पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के अधिकारियों ने अंबरनाथ ईस्ट में नाले का इंस्पेक्शन किया। इस समय, यहां से सीवेज के सैंपल भी टेस्टिंग के लिए लिए गए हैं। रिपोर्ट आने के बाद यह साफ हो जाएगा कि नाले में सीवेज में केमिकल कम्पोनेंट हैं या नहीं। हालांकि, यह मांग की गई है कि इस पॉल्यूशन की असली वजह का पता लगाया जाए और सिर्फ टेम्पररी बचाव के उपाय न किए जाएं।

ठेकेदार ने बनाई निकृष्ट दर्जे की सड़क

मनसे की शिकायत पर सीमेंट सड़क को तोड़ने का काम शुरू

अंबरनाथ. अंबरनाथ पूर्व में लोकनगरी से बारकूपाड़ा तक ठेकेदार द्वारा निकृष्ट दर्जे का सीमेंट कंक्रीट का रास्ता नपा ने उखाड़ दिया है. मनसे के पदाधिकारी शैलेश शिर्के ने इस कंक्रीट सड़क के बारे में नपा प्रशासन एवं नगराध्यक्षा से शिकायत की थी. कोरोना काल में प्रशासकीय राज के समय मुख्याधिकारी प्रशांत रसाल के कार्यकाल में कई ऐसे निकृष्ट कार्य किए गए हैं. ये रास्ता अंबरनाथ नगर परिषद ने 8 करोड़ रुपए खर्च करके बनाया था. जिला स्तरीय नगर उत्थान अभियान अंतर्गत इस कंक्रीट रास्ते का निर्माण किया गया था. ये काम सनबर्ड मल्टीवेल्चर प्रा. लि. कंपनी को ये ठेका दिया गया था. नगरपालिका के नियमों के अनुसार ये रास्ता निर्माण ना करते हुए अपनी मनमर्जी से ठेकेदार ने ये कार्य किया था. कई जगहों पर रास्ते की चौड़ाई को कम कर भ्रष्टाचार किया गया. काम पूरा होने के बाद इस रास्ते पर बड़ी दरारें पड़ गई थी. मनसे अंबरनाथ के शहराध्यक्ष शैलेश शिर्के ने इस सड़क के बारे में मुख्याधिकारी एवं नगराध्यक्षा से लिखित में शिकायत की थी. नगराध्यक्षा तेजश्री करंजुले ने पालिका के अधिकारियों को साथ में लेकर इस कंक्रीट सड़क को देखा और अधिकारियों को आदेश दिया कि जहां रास्ता खराब है, उसे तोड़कर दोबारा बनाया जाए. नगराध्यक्षा के आदेश के बाद इस निकृष्ट दर्जे के रास्तो को बुलडोजर से तोड़ने का काम शुरू हुआ है.

शैलेश शिर्के ने कहा है कि इस पूरे रास्ते को तोड़कर दोबारा बनाया जाए. ये आरोप भी लगाए जा रहे हैं कि अधिकारी, ठेकेदार से टक्केवारी लेते हैं. इसलिए ऐसे निकृष्ट दर्जे की सड़कें शहर में निर्माण की जा रही हैं.

मनपा ने शिक्षण क्रांति संगठन की मांगें मानीं

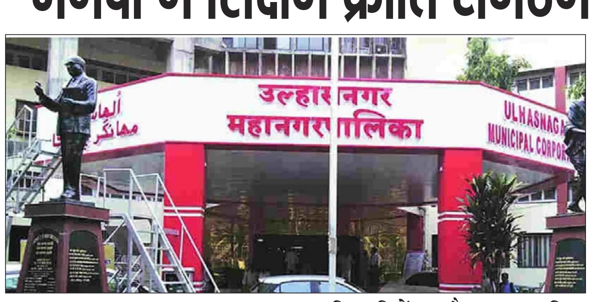

उल्हासनगर. महानगर पालिका प्रशासन ने शिक्षण क्रांति संगठन और ए-स्टेप की कई मांगें मान ली हैं और उन पर अमल शुरू कर दिया है। संगठनों ने दावा किया है कि महापौर अश्विनी निकम और ग्रुप लीडर अरुण आशान के किए वादे पूरे कर दिए गए हैं।

महानगर पालिका में महापौर अश्विनी निकम, ग्रुप लीडर अरुण आशान, जनगणना और चुनाव अधिकारियों और प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में एक मीटिंग हुई। इस मीटिंग में पेश की गई मांगों पर ठोस फैसले लिए गए। ए-स्टेप की प्रेसिडेंट रेखा ठाकुर, सेक्रेटरी विजय मखीजा और शिक्षण क्रांति संगठन के देवीदास नरवड़े और राजेंद्र गवली ने अधिकारियों से मुलाकात की और फैसलों को लागू किया।

इसके मुताबिक, BLO के काम पर लगे टीचरों को जनगणना की एक्स्ट्रा जिम्मेदारी नहीं दी जाएगी। चूंकि सेल्फ-फाइनेंस्ड स्कूलों के लिए PAT एग्जाम ज़रूरी नहीं है, इसलिए 22 अप्रैल को होने वाला वेरिफिकेशन स्कूल ऑफिस से ही किया जाएगा। जिन स्कूलों में 100 परसेंट स्टाफ को जनगणना के काम में लगाया गया है, वहां प्रिंसिपल की सिफारिश पर स्टाफ को ड्यूटी से मुक्त कर दिया जाएगा। प्रशासन ने यह भी संकेत दिया है कि जिन टीचरों पर क्राइम दर्ज है, उन्हें भी जल्द ही राहत दी जाएगी। संगठनों ने इन फैसलों में सहयोग के लिए मेयर अश्विनी निकम, ग्रुप लीडर अरुण आशान, डिप्टी कमिश्नर करपे मदाम और एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर धनगर का आभार जताया है।

युवाओं के लिए 'सिंध स्टेट' कैंपेन ने पकड़ी तेज़ी

'चेट जो सिंधी मेलो' — महेश सुखरामानी की सिंधी कम्युनिटी से अपील

■ **'इंडिया में सिंध स्टेट की मांग' कैंपेन**

उल्हासनगर. सिंधी कम्युनिटी के हक, पहचान और कल्चर को बचाने के लिए चलाया जा रहा 'सिंध स्टेट' मांग कैंपेन अब तेज़ी पकड़ रहा है, और युवाओं को जागरूक करने पर खास ज़ोर दिया जा रहा है। सिंधी कम्युनिटी ऑफ़ इंडिया ट्रस्ट की तरफ़ से 17 से 19 अप्रैल तक उल्हासनगर में 'चेत जो सिंधी मेलो' नाम का एक खास प्रोग्राम रखा गया है। इस प्रोग्राम के दौरान, 'इंडिया में सिंध स्टेट की मांग' कैंपेन के तहत फ़ॉर्म जमा करने का प्रोसेस भी चलाया जा रहा है। इंडिया के बंटवारे के समय सिंधी कम्युनिटी को अपने वतन सिंध से बेघर होना पड़ा था। हालांकि, देश भर में बिखरने के बाद भी सिंधी कम्युनिटी ने अपनी भाषा, कल्चर और पहचान को बचाए रखा है।

■ **मकसद नई पीढ़ी को कल्चर के बारे में जागरूक करना**

आज, उस पहचान और हक को और मज़बूत करने के लिए यह कैंपेन चलाया जा रहा है। इस कैंपेन का मुख्य मकसद नई पीढ़ी को हमारे इतिहास, संस्कृति और अधिकारों के बारे में जागरूक करना है। माना जा रहा है कि अगर युवा इस पहल में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे, तो समाज की एकता और मजबूत होगी।

सिंधी समुदाय के जाने-माने लोगों की मौजूदगी

महाराष्ट्र स्टेट सिंधी साहित्य अकादमी के पूर्व वर्किंग प्रेसिडेंट और शिवसेना कॉर्पोरेटर महेश सुखरामानी के उल्हासनगर स्थित ऑफिस में एक ज़रूरी मीटिंग हुई। इस मीटिंग में सिंधी कम्युनिटी ऑफ इंडिया ट्रस्ट के ट्रस्टी किशोर ग्रिगलानी (अहमदाबाद) खास तौर पर मौजूद थे।

कैंपेन में सहयोग का भरोसा

इस मौके पर महेश सुखरामानी ने किशोर ग्रिगलानी का स्वागत और सम्मान किया और इस कैंपेन में पूरा सहयोग देने का भरोसा दिया। उन्होंने साफ किया कि वे तय लक्ष्य को जल्द से जल्द हासिल करने की पूरी कोशिश करेंगे। उन्होंने सिंधी समुदाय के सभी भाइयों से भी अपील की कि वे बड़ी संख्या में हिस्सा लें और इस कैंपेन को सफल बनाएं।

मास्टरमाइंड बाबू खेमानी सहित सात गिरफ्तार

■ **महादेव सट्टा एप की तरह बनाया खुद का आइपीएल सट्टा नेटवर्क**

■ **इंटरनेट मीडिया इन्फ्लुएंसर की आड़ में चला रहा था सट्टा**

■ **मुंबई-गोवा में पुलिस की दबिश 60 लाख रुपये का सामान जब्त**

विदेश कनेक्शन की भी जांच

पुलिस के अनुसार बाबू खेमानी दुबई और थाईलैंड की यात्राएं कर चुका है। उसके विदेश कनेक्शन की भी जांच की जा रही है। साथ ही सट्टे की रकम की वसूली में दबाव बनाने के मामलों की भी पड़ताल जारी है। करण खेमानी के खिलाफ पहले से ही जुआ एक्ट के तहत मामला दर्ज है। बाबू खेमानी पर भी प्रतिबंधात्मक कार्रवाई हो चुकी है।

मुंबई. रायपुर का इन्फ्लुएंसर और सट्टा सिंडिकेट का मास्टरमाइंड बाबू खेमानी को रायपुर पुलिस ने मुंबई से गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही छह और आरोपित भी पकड़े गए हैं। उनके कब्जे से बीएमडब्ल्यू समेत 60 लाख का सामान जब्त हुआ है। मुख्य आरोपित बाबू खेमानी को तीन दिनों की पुलिस रिमांड पर लिया गया है, जहां उससे सट्टा एप के संचालन के संबंध में पूछताछ की जाएगी। पुलिस मुख्य रूप से यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि उसने यह सट्टा एप किससे और कहां बनवाया। वहीं उसके संपत्ति की भी जांच की जाएगी।

पुलिस के अनुसार बाबू खेमानी मिलकर पिछले ढाई साल से 'तीन अपने भाई करण खेमानी के साथ स्टंप्स', रेड्डी ग्रुप, बजरंग ग्रुप, मेट्रो 65 और डायमंड मास्टर जैसे आनलाइन सट्टा पैनल संचालित कर रहा था। जांच जांच में राजफाश हुआ है कि खेमानी के बहुत फालोअर थे, जिसका फायदा उठाकर उसने हाई प्रोफाइल सट्टा खेलने वालों से संपर्क किया और महादेव बुक की तर्ज पर 'तीन स्टंप्स' आनलाइन वेबसाइट शुरू किया। उसके रिश्तेदार इसे आपरेट कर रहे थे।

खेमानी दबाव बनाकर सट्टे का पैसा वसूलता था। रायपुर रायपुर पुलिस के दबाव के कारण उसने दूसरे राज्यों में आनलाइन सट्टा खिलाना शुरू कर दिया था। पुलिस इसके विदेशी कनेक्शन की भी जांच कर रही है। इस मामले में 27 आरोपितों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

मुंबई-गोवा में छापेमारी, नेटवर्क ध्वस्त पुलिस उपायुक्त (क्राइम एवं साइबर) स्मृतिक राजनाला के निर्देशन में टीम ने मुंबई और गोवा में एक साथ रेड की। मुंबई से बाबू खेमानी समेत तीन आरोपित गिरफ्तार किए गए। वहीं गोवा में संचालित आनलाइन पैनल को ध्वस्त कर चार आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। उनके कब्जे से तीन लैपटाप, 18 मोवाइल, 10 एटीएम कार्ड, राउटर, हिसाव किताब की कापी और एक बीएमडब्ल्यू कार जब्त की गई है।

मुंबई से गिरफ्तार

गुलशन उर्फ बाबू खेमानी (32)
रोहित सिंह (26)
विशाल कश्यप (27)
(सभी रायपुर)

गोवा से धराए

लक्ष्मण ढोबर (45) नागपुर
आशीष जाधव (29) अकोला
रंजीत कुमार (28) परशुरामपुर जिला बस्ती (उ.प्र.)
वैभव खंडेलवाल (37) नागपुर

म्यूल खातों से लेन-देन

जांच में सामने आया है कि आरोपित सट्टे की रकम के लेन-देन के लिए किराये के बैंक खातों का इस्तेमाल करते थे। अब खाताधारकों की पहचान की जाएगी। बैंक खातों की जांच में करोड़ों के ट्रांजेक्शन का राजफाश हुआ है।

कल्याण-मुरबाड रूट पर अवैध गाड़ियों पर कार्रवाई

■ **226 ड्राइवरों को नोटिस भेजे गए**

कल्याण. सब-रीजनल ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट ने कल्याण-मुरबाद रूट पर गैर-कानूनी तरीके से चल रही गाड़ियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। दोनों पुलिस स्टेशनों ने बताया कि मुरबाद पुलिस स्टेशन के तहत 28 गैर-कानूनी गाड़ियों और टोकावड़े पुलिस स्टेशन की सीमा के तहत 20 गैर-कानूनी गाड़ियों के खिलाफ कार्रवाई की गई। साथ ही, मालशेज हाईवे के असिस्टेंट पुलिस इंस्पेक्टर राजू वानखेड़े के मुताबिक, हाईवे पर गैर-कानूनी तरीके से यात्रियों को ले जाने और ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाले ड्राइवरों के खिलाफ 403 मामले दर्ज किए गए हैं, जिसमें बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट और दूसरे नियम शामिल हैं। कार्रवाई के दौरान, कई गाड़ियां ऐसी मिलीं जिनकी फिटनेस, लाइसेंस, इंश्योरेंस वगैरह एक्सपायर हो चुकी थी और जो नियमों का उल्लंघन कर रही थीं। संबंधित ड्राइवरों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की गई है और नोटिस जारी किए गए हैं।

नियमों का उल्लंघन करने वाली गाड़ियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। आरटीओ अधिकारियों ने यह भी कहा कि यात्रियों की सुरक्षा और सड़क यातायात में अनुशासन बनाए रखने के लिए ऐसे अभियान नियमित रूप से चलाए जाएंगे। कल्याण-अहिल्यानगर राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 61, कल्याण रायते पर पुल पर हुए हादसे के बाद कल्याण उप-क्षेत्रीय परिवहन उप अधिकारी आशुतोष बरकुल द्वारा मुरबाद और कल्याण में की गई कार्रवाई में, पुलिस और आरटीओ द्वारा की गई कार्रवाई से पता चलता है कि मुरबाड और कल्याण के बीच काले और पीले रंग के इको वाहनों पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है। दस काले और पीले वाहनों की क्षमता से अधिक यात्रियों और बैठने की व्यवस्था करने के लिए कुल 12 ड्राइवरों पर मामला दर्ज किया गया, जबकि 126 पुराने वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की गई, जिनके दस्तावेज समाप्त हो चुके थे और पिछले साल 20 साल पूरे होने के बाद भी चलाए जा रहे थे। इसी संदर्भ में वर्तमान में जांच चल रही है। साथ ही, 236 वाहनों को नोटिस भेजे गए हैं, जिनके दस्तावेज समाप्त हो चुके हैं, बरकुल ने बताया।

उल्हास विकास

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास — मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगढ़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संपादकीय

उड़ान से पहले ही खतरा

देश में हवाई यात्रा को सुगम बनाने के लिए विमान सेवाओं में लगातार विस्तार किया जा रहा है। मगर इसके साथ-साथ हाल के वर्षों में उड़ानों में सुरक्षा चूक और तकनीकी खराबी की घटनाएं भी चिंताजनक रूप से बढ़ी हैं। ऐसा लगता है कि अब तक हुए छोटे-बड़े हादसों से कोई सबक नहीं लिया गया है। दिल्ली हवाई अड्डे पर गुरुवार को दो विमानों के पंख आपस में टकरा गए, लेकिन गनीमत रही कि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। इस घटना ने एक बार फिर हवाई सफर की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। आखिर क्या वजह है कि एक के बाद एक सुरक्षा चूक के मामले सामने आ रहे हैं, लेकिन व्यवस्था में सुधार के ठोस एवं कारगर प्रयास धरातल पर नजर नहीं आते हैं? इस तरह की घटनाओं में विभागीय कार्रवाई संबंधित कर्मियों को निलंबित करने और जांच प्रक्रिया शुरू करने की औपचारिकता तक ही सीमित रह जाती है। चूक किस वजह से हुई और भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति को रोकने के लिए क्या कदम उठाए गए, इसकी जानकारी शायद ही कभी सार्वजनिक हो पाती है।

दरअसल, देश में विमान सेवाओं का विस्तार तो हो रहा है, लेकिन इसके लिए जरूरी बुनियादी ढांचा उस गति से विकसित नहीं हो पाया है। यह बात भी छिपी नहीं है कि विमानों की संख्या के मुकाबले पायलटों, हवाई यातायात नियंत्रकों और इंजीनियरों की व्यवस्था का अभाव बना हुआ है। इसके अलावा, सुरक्षा सावधानियों की अनदेखी और पुराने उपकरणों का इस्तेमाल भी हादसों का कारण बनता है।

यह विचित्र है कि विमान संचालन के प्रशिक्षण के दौरान जिस तरह की बारीकियों को अनिवार्य माना जाता है, हवाई पट्टी पर उसे लेकर भी लापरवाही बरती गई। इससे स्पष्ट है कि जब हवाई अड्डे पर ही यात्रियों की जान जोखिम में पड़ जाती है, तो हवा में सफर के दौरान किस तरह के खतरे पैदा हो सकते हैं, इसका अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। हर हादसे की तरह इस मामले में भी एक वायु यातायात नियंत्रक और दो पायलटों को ड्यूटी से हटा दिया गया है, लेकिन सवाल है कि महज इस तरह की कार्रवाई से सुरक्षा चूक का स्थायी हल निकल पाएगा? जाहिर है जब तक समस्या की जड़ में जाकर उसे खत्म नहीं किया जाएगा, तब तक व्यवस्था में सुधार नहीं हो पाएगा।

विमर्श

फिर अटका महिला आरक्षण

मोदी सरकार ने संसद के विशेष सत्र में महिला आरक्षण लागू करने के लिए सभी राज्यों में 50 प्रतिशत लोकसभा सीटें बढ़ाए जाने का जो संविधान संशोधन विधेयक पेश किया, उसे वह विपक्ष के विरोध के कारण पारित नहीं कर सकी और दो तिहाई बहुमत के अभाव में वह गिर गया। इसी के साथ अगले आम चुनाव यानी 2029 से लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने की पहल ठंडे बस्ते में चली गई।

ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि जहां प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस ने दक्षिण के क्षेत्रीय दलों जैसी संकीर्णता दिखाई तो सपा जैसे दलों ने महिला आरक्षण के भीतर ओबीसी, अल्पसंख्यक वर्गों की महिलाओं के लिए आरक्षण की मांग की। कांग्रेस एवं दक्षिण भारत के दलों और खासकर तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक ने ऐसे व्यवहार किया, जैसे किसी राज्य विशेष के हितों अथवा क्षेत्र विशेष की महिलाओं को आरक्षण देने के लिए संविधान संशोधन विधेयक लाया गया था। यह विधेयक तो समस्त राष्ट्र की महिलाओं को लोकसभा और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए था। एक लोकसभा सदस्य जब किसी बिल पर मतदान करता है तो राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखकर करता है, न कि राज्य विशेष के हितों को ध्यान में रखकर।

महिला आरक्षण विधेयक 2023 में इस प्रविधान के साथ पारित हुआ था कि उसे नई जनगणना के बाद होने वाले परिसीमन के उपरांत लागू किया जाएगा, लेकिन कोविड और फिर अन्य कारणों से 2021 में होने वाली जनगणना में देरी होती चली गई। अब वह शुरू हुई है। उसके नतीजे आने में समय लगेगा और फिर परिसीमन होते-होते 2029 बीतने के आसार हैं। इसके चलते महिला आरक्षण 2034 के लोकसभा चुनाव में लागू हो पाता। इसी कारण सरकार ने महिला आरक्षण शीघ्र लागू करने की पहल की। उसने इसके लिए लोकसभा सीटें बढ़ाने वाले 131वें संविधान संशोधन विधेयक के साथ परिसीमन से जुड़ा संशोधन विधेयक और केंद्रशासित प्रदेश संबंधी संविधान विधेयक पेश किया। चूंकि 131वां संविधान संशोधन विधेयक ही पारित नहीं हो सका, इसलिए सरकार के लिए अन्य दोनों विधेयक बेमानी हो गए।

मौजूदा लोकसभा सीटें 1971 की जनगणना के बाद हुए परिसीमन के तहत बढ़ी थीं। इसके बाद से वे यथावत हैं, क्योंकि परिसीमन कराकर लोकसभा सीटें बढ़ाने की पहल को फ्रीज कर दिया गया था। 1971 में भारत की आबादी करीब 55 करोड़ थी। अब 140 करोड़ हो चुकी है, पर लोकसभा सीटें 543 ही हैं। इसके चलते एक लोकसभा सदस्य को कहीं अधिक लोगों का प्रतिनिधित्व करना पड़ता है। कहीं-कहीं तो यह आबादी 45 लाख से भी अधिक है। परिसीमन फ्रीज करने का एक बड़ा कारण दक्षिण के राज्यों का यह तर्क था कि वे अपनी आबादी कम करने में सफल रहे हैं और यदि जनसंख्या के आधार पर परिसीमन होता है तो उत्तर भारत के मुकाबले लोकसभा में उनका प्रतिनिधित्व कम हो जाएगा, लेकिन प्रश्न यह है कि अब जब नई जनगणना के बाद परिसीमन होगा तो क्या उस समय वे यह जिद पकड़ेंगे कि वह जनसंख्या के आधार पर न हो?

जो भी हो, विपक्षी नेता यह समझा नहीं सके कि उनका महिला आरक्षण से जुड़े विधेयक के विरोध के पीछे औचित्य क्या था? इस विधेयक के गिर जाने से विपक्षी दल यह कह सकते हैं कि उन्होंने सरकार के इरादों पर पानी फेर दिया, लेकिन उनके लिए जनता को यह समझाना कठिन होगा कि उन्होंने महिला आरक्षण क्यों नहीं लागू होने दिया? यह तय है कि महिला आरक्षण की पहल नाकाम हो जाने पर भाजपा विपक्ष के रवैये को राजनीतिक रूप से भुनाने की हरसंभव कोशिश करेगी और उन्हें महिला हित विरोधी करार देने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

कांग्रेस कुछ भी दावा करे, सच यह है कि उसकी बुनियाद कमजोर होती जा रही है। उसके पास इतनी सामर्थ्य नहीं और न ही उसका संगठन ऐसा है कि वह प्रस्तावित 816 सीटों पर सक्षम प्रत्याशी खड़े कर पाती और उन्हें सही से चुनाव लड़ा पाती। ध्यान रहे उसके मुकाबले भाजपा का संगठन कहीं अधिक सशक्त है।

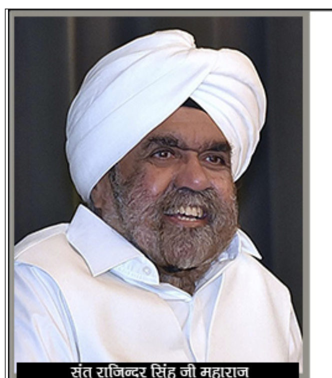

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

प्रकाश और प्रेम ही हमारा सच्चा स्वरूप है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

मतदाता सूची से बाहर लाखों नाम

पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर की प्रक्रिया की वजह से जिस तरह की जटिलता खड़ी हुई है, उसमें लाखों मतदाताओं के मताधिकार से वंचित रह जाने की आशंका है। इस मसले पर राज्य के आम लोगों के बीच आक्रोश भी देखा गया। मगर यह सवाल अब भी कायम है कि अगर किन्हीं वजहों से बाद में पात्र साबित हुए मतदाता वोट देने से वंचित रह गए, तो इसके लिए किसे जिम्मेदार ठहराया जाएगा।

समस्या यह है कि पश्चिम बंगाल में 23 और 29 अप्रैल को वोट डाले जाने हैं और अब तक भारी संख्या में वैसे लोग मतदाता सूची से बाहर हैं, जिन्हें 'विचाराधीन' की श्रेणी में रखा गया है या जो किसी मामूली गड़बड़ी की वजह से नियमों की कसौटी पर पात्र नहीं माने गए। यह बेवजह नहीं है कि राज्य में इस मसले पर तीखे मतविरोध उभरे हैं और मांग की जा रही है कि चुनाव आयोग ऐसी कोई व्यवस्था करे, ताकि किसी पात्र मतदाता को मतदान के अधिकार से वंचित नहीं होना पड़े।

इसी के मद्देजनर सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को अनुच्छेद 142 का हवाला देते हुए एक अहम आदेश दिया कि पश्चिम बंगाल में 23 अप्रैल को होने वाले पहले चरण के मतदान के लिए

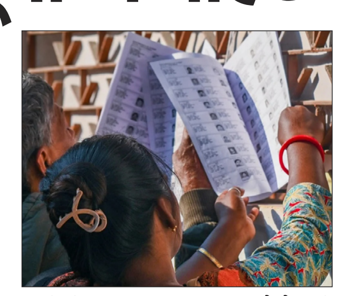

अपीलीय प्राधिकरण जिन लोगों की अपील पर 21 अप्रैल तक फैसला दे देंगे, वे अपने मतदान के अधिकार का इस्तेमाल कर सकेंगे। वहीं, प्राधिकरण की ओर से जिन लोगों की अपील पर 27 अप्रैल तक फैसला कर दिया जाएगा, वे 29 अप्रैल को दूसरे चरण में अपने मताधिकार का उपयोग कर सकेंगे।

यानी सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश के बाद राज्य के लाखों वैसे लोगों को राहत मिली है, जिन्हें किन्हीं वजहों से एसआइआर की प्रक्रिया के दौरान वोट देने के अधिकार से वंचित मान लिया गया था। उसके बाद मतदाता सूची से हटाए गए बहुत सारे लोगों ने अपीलीय प्राधिकरणों में अपील दायर की हुई है कि उन्हें पात्र मतदाता माना जाए। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने निर्वाचन आयोग को निर्देश दिया है कि पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के खिलाफ जिन मतदाताओं की अपील प्राधिकरणों की ओर से स्वीकार कर ली गई है, उनके नाम को शामिल करते हुए पूरक संशोधित मतदाता सूची जारी की जाए।

करीब 27 लाख मतदाताओं के नाम हटाए गए थे

अब यह उम्मीद की जा सकती है कि राज्य में एसआइआर की प्रक्रिया के बाद जिन करीब सत्ताईस लाख मतदाताओं के नाम हटा दिए गए थे, उन्हें अपने मताधिकार का प्रयोग करने का अवसर मिल सकेगा। मगर तथ्य यह भी है कि निर्वाचन आयोग की ओर से जल्दबाजी और पुनरीक्षण की प्रक्रिया में तमाम खामियों की वजह से अपनी पात्रता साबित करने का बोझ खुद मतदाताओं पर ही आ खड़ा हुआ है।

एक सवाल यह है कि मतदाता सूची से बाहर किए गए लोगों में अगर कई लोग अपील की प्रक्रिया के बारे में जानकारी और जागरूकता की कमी की वजह से प्राधिकरणों के पास नहीं जा सके, तो क्या सिर्फ इस आधार पर उन्हें अंतिम तौर पर अपात्र मान लिया जाएगा! यह अपने आप में एक बड़ी विडंबना है कि लोगों के वोट देने के हक को सुनिश्चित करने की प्रक्रिया पर जिस तरह के सवाल उठे हैं, वे लोकतंत्र और संवैधानिक अधिकारों के लिहाज से दुखद हैं।

इस अनोखे मंदिर के पत्थरों से सुनाई देता है संगीत

भारत की प्राचीन वास्तुकला केवल ईंट और पत्थरों का मेल नहीं है, बल्कि यह विज्ञान, कला और

जरा हट के

आध्यात्मिकता का एक अनोखा संगम है। इसका सबसे बेहतरीन उदाहरण कर्नाटक के हम्पी में स्थित विट्ठल मंदिर या विजया विट्ठल मंदिर है।

तुंगभद्रा नदी के तट पर स्थित यह मंदिर यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल है और अपनी अद्भुत शिल्पकारी के लिए पूरी दुनिया में मशहूर है। इस मंदिर में म्युजिकल खंभे हैं, जिनसे संगीत की ध्वनि आती है। 15वीं शताब्दी में विजयनगर साम्राज्य के राजा देवराय द्वितीय के शासनकाल के दौरान निर्मित इस मंदिर को महान राजा कृष्णदेवराय ने और भव्य बनाया। यह मंदिर भगवान विष्णु के अवतार, भगवान विट्ठल को समर्पित है। इसकी दीवारों पर उकेरी गई नक्काशी आज भी जीवंत प्रतीत होती है।

विट्ठल मंदिर की सबसे बड़ी विशेषता इसके 56 संगीत स्तंभ यानी म्युजिकल पिलर्स हैं, जिन्हें सारेगामा स्तंभ भी कहा जाता है। ये खंभे मंदिर के महामंडप में स्थित हैं। इन स्तंभों की खासियत यह है कि जब इन्हें हल्के हाथ से थपथपाया जाता है, तो इनसे संगीत के सात सुरों जैसी ध्वनि निकलती है।

ये खंभे ठोस ग्रेनाइट पत्थर के एक ही टुकड़े से तराशे गए हैं। मुख्य स्तंभ के चारों ओर सात छोटे स्तंभ बने हुए हैं, जो अलग-अलग वाद्ययंत्रों की ध्वनि निकालते हैं।

आज भी यह वैज्ञानिकों के लिए शोध का विषय है कि बिना किसी खोखलेपन के, ठोस पत्थर से संगीत की ध्वनि कैसे निकल सकती है।

कहा जाता है कि ब्रिटिश शासन के दौरान अंग्रेज भी इस रहस्य को सुलझाने के लिए उत्सुक थे। उन्होंने यह जानने के लिए कि इन खंभों के अंदर क्या है, दो खंभों को काटकर देखा था, लेकिन उन्हें अंदर कुछ नहीं मिला, वे खंभे अंदर से भी ठोस पत्थर ही थे। वे आज भी मंदिर परिसर में देखे जा सकते हैं।

विट्ठल मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं है, बल्कि यह प्राचीन भारतीय लिथोफोन्स यानी गूंजने वाले पत्थरों का बेहतरीन उदाहरण है। मंदिर की दीवारों पर घोड़ों, सैनिकों और नर्तकियों की बारीक नक्काशी उस दौर के वैभव और कला के प्रति प्रेम को दिखाती है।

टमाटर रसम

खाना-खजाना

सामग्री

- टमाटरः 3-4 बड़े और अच्छी तरह पके हुए लाल टमाटर
- लहसुनः 5-6 कलियां
- काली मिर्चः 1 छोटा चम्मच
- जीराः 1 छोटा चम्मच
- इमलीः एक छोटा टुकड़ा
- कढ़ी पत्ताः 10-12 पत्ते
- सूखी लाल मिर्चः 1 या 2
- राईः आधा छोटा चम्मच
- हींगः एक चुटकी
- हल्दी पाउडरः चौथाई छोटा चम्मच
- घी या तेलः 1 बड़ा चम्मच
- नमकः स्वादानुसार
- हरा धनियाः बारीक कटा हुआ
- पानीः 2 से 3 कप

बनाने की विधि

सबसे पहले ओखली में लहसुन की कलियां, साबुत काली मिर्च और जीरा डालकर उन्हें दरदरा कूट लें। टमाटरों को या तो बहुत बारीक काट लें या फिर थोड़े से पानी में हल्का उबाल लें। जब टमाटर नरम हो जाएं, तो उन्हें हाथ से या मैशर से अच्छी तरह मसल लें ताकि उनका सारा रस निकल आए। अगर आप इमली का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो इमली का पानी भी इसी टमाटर के रस में मिला लें।

अब एक बर्तन में यह टमाटर का रस लें और उसमें 2 से 3 कप सादा पानी मिला दें। इसी में हल्दी पाउडर, स्वादानुसार नमक और वो दरदरा कुटा हुआ (लहसुन, काली मिर्च, जीरे का) मसाला डाल दें। अब इसे गैस पर रखें और मध्यम आंच पर 5 से 7 मिनट तक अच्छी तरह उबलने दें। जब रसम उबल जाए, तो आंच धीमी कर दें। अब एक छोटे पैन में तड़का तैयार करें। घी या तेल गरम करें, उसमें राई डालें। जब राई चटकने लगे, तो हींग, सूखी लाल मिर्च और कढ़ी पत्ता डाल दें। बस, कुछ ही सेकंड में इस गरमा-गरम और खुशबूदार तड़के को उबलते हुए रसम में छौंक दें। तड़का लगाने के बाद गैस बंद कर दें। ऊपर से बारीक कटा हुआ ताजा हरा धनिया छिड़कें। लीजिए, आपका स्वादिष्ट और सेहत से भरपूर टमाटर रसम बिल्कुल तैयार है।

अब 45 से कम उम्र वालों पर भी मंडरा रहा है ब्रेन स्ट्रोक का खतरा

कहीं आप तो नहीं कर रहे ये बड़ी भूल?

पिछले कई महीने से भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी विनोद कांबली स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं। हाल की एक रिपोर्ट्स के मुताबिक उनके दिमाग में खून के थक्के बन गए हैं, जिससे ब्रेन स्ट्रोक होने का खतरा बढ़ गया है। कांबली के पुराने दोस्त मार्कस कुटो ने बताया कि पिछले कई महीनों से उन्हें याददाश्त से संबंधित दिक्कतें भी हो रही हैं। उनकी याददाश्त अच्छी नहीं है, लेकिन पिछले छह महीनों में इसमें कोई गिरावट भी नहीं आई है। उन्हें ज्यादा कुछ याद नहीं रहता, लेकिन जब कोई बात क्लिक कर जाती है, तो उन्हें याद आ जाता है। वरना उनके लिए यह मुश्किल हो जाता है। फिलहाल कांबली की सेहत के लिए सबसे बड़ा खतरा ब्रेन में नोटिस किए गए ब्लड क्लॉट्स हैं, जो संभवतः दिमाग में खून के संचार को बाधित कर बड़ी समस्याओं का कारण बन सकते हैं।

कारण और मौजूदा स्थिति

ब्रेन स्ट्रोक के मुख्य कारणों में हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, वायु प्रदूषण, धूमपान, तनाव और अस्वास्थ्यकर आहार शामिल हैं। इससे दुनिया में प्रति वर्ष लगभग 1.5 करोड़ लोग प्रभावित होते हैं, जिनमें से 50-60 लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है। भारत में हर साल लगभग 15 से 18 लाख नए मामले सामने आते हैं, जो हर 20 सेकंड में एक स्ट्रोक के बराबर है। अब यह युवाओं (45 वर्ष से कम) को भी प्रभावित कर रहा है। भारत में 1990 से 2021 के बीच स्ट्रोक के मामलों में 51% की वृद्धि हुई है। स्ट्रोक के योग्य रोगियों में से केवल 1% को ही सही समय पर (4.5 घंटे के भीतर) इलाज मिल पाता है।

धूमपान से बढ़ जाता है ब्रेन स्ट्रोक का खतरा

मार्कस कुटो ने बताया कि डाक्टर कह रहे हैं कि विनोद को ब्रेन स्ट्रोक का खतरा बना हुआ। उन्होंने शराब पीना छोड़ दिया है, लेकिन कभी-कभी वह लोगों से सिगरेट मांगते हैं। वे आटो ड्राइवरों से सिगरेट मांगते हैं और लोग खुशी-खुशी सिगरेट दे देते हैं, यह सोचकर कि वे कांबली की मदद कर रहे हैं, लेकिन उन्हें अहसास नहीं होता कि वे कितना नुकसान पहुंचा रहे हैं।

क्यों होती है दिमाग में क्लॉटिंग की दिक्कत?

रिपोर्ट्स से पता चलता है कि कुछ प्रकार की मेडिकल स्थितियां, जीवनशैली व आनुवंशिक कारकों के चलते खून के थक्कों की समस्या बढ़ जाती है। ये थक्के दिमाग के अलावा शरीर में कई अन्य हिस्सों में हो सकते हैं। एट्रियल फाइब्रिलेशन, हाई बीपी, डायबिटीज, हाई कोलेस्ट्रॉल, एथेरोस्क्लेरोसिस, मोटापा जैसे स्थितियां थक्कों का कारण बन सकती हैं।

दिमाग में खून का थक्का बनने से खून व आक्सीजन का प्रवाह बाधित हो जाता है। यही क्लॉट इस्केमिक स्ट्रोक का कारण बनते हैं। स्ट्रोक दुनियाभर में वयस्कों में विकलांगता व मौत का कारण हैं। भारत में भी बड़ी संख्या में बुजुर्ग इससे पीड़ित हैं। स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी संस्थाएं जागरूकता अभियान चलाती हैं, लेकिन और काम करने की जरूरत है।

आज का राशिफल

मेष : नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। नए विचार दिमाग में आएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। धनार्जन होगा। पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा।

वृषभ : कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। काम में मन नहीं लगेगा। दूसरे आपसे अधिक की अपेक्षा करेंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। पुराना रोग उभर सकता है।

मिथुन : मान-सम्मान मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आय में वृद्धि होगी। जल्दबाजी न करें। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी।

कर्क : घर में अतिथियों का आगमन होगा। प्रसन्नता तथा उत्साह बने रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। आलस्य हावी रहेगा। प्रमाद न करें। विवेक का प्रयोग करें। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

सिंह : नौकरी में अधिकार वृद्धि हो सकती है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेश मनोनकूल रहेगा। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण बनेगा। किसी कार्य के प्रति चिंता रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है।

कन्या : व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगा। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। विवाद से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। किसी भी अपरिचित व्यक्ति की बातों में न आएं। सामाजिक कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा।

तुला : व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। कोई बड़ा काम करने की इच्छा जागृत होगी। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। प्रमाद न करें। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

वृश्चिक : मान-सम्मान मिलेगा। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ होगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड इत्यादि से लाभ होगा। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें। थकान रहेगी। किसी कार्य की चिंता रहेगी।

धनु : लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। दूसरों के कार्य में हस्तक्षेप न करें। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल लाभ देंगे। किसी बड़े काम की रुकावट दूर होगी।

मकर : कीमती वस्तुएं इधर-उधर हो सकती हैं, संभालकर रखें। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। यात्रा में जल्दबाजी न करें। शारीरिक कष्ट संभव है। पुराना रोग उभर सकता है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें।

कुंभ : व्यापार व व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। राजकीय बाधा दूर होकर स्थिति अनुकूल बनेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। धनहानि की आशंका है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। थकान व कमजोरी रह सकती है।

मीन : नौकरी में रुतबा बढ़ेगा। आय के नए साधन प्राप्त हो सकते हैं। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। जीवन सुखमय व्यतीत होगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। रोजगार में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य में राहत मिलेगी। चिंता दूर होगी।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

क्या आपके मुंह में भी दिख रहे हैं ये लक्षण?

शरीर में हो गई है मैग्नीशियम की कमी

- मुंह में दिखाई देने वाले लक्षण अक्सर हमारे शरीर की पोषण स्थिति के बारे में संकेत देते हैं। खासतौर पर मैग्नीशियम की कमी के कारण कई बार मुंह में अलग-अलग समस्याएं दिखने लगती हैं। मैग्नीशियम एक महत्वपूर्ण मिनरल है जो मांसपेशियों, हड्डियों, दांतों, नर्वस सिस्टम और मेटाबॉलिज्म को नियंत्रित करता है।
- इसकी कमी को नजरअंदाज करना सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। आइए जानते हैं मुंह में दिखने वाले कुछ खास लक्षणों के बारे में,जो मैग्नीशियम की कमी से जुड़े हो सकते हैं और साथ ही इससे बचाव के उपाय भी-

मुंह में मैग्नीशियम की कमी के लक्षण

मसूड़ों से खून आना

अगर आपके मसूड़े बार-बार ब्रश करते समय या बिना वजह खून छोड़ते हैं, तो यह सिर्फ मसूड़ों की कमजोरी नहीं बल्कि मैग्नीशियम की कमी का संकेत हो सकता है।

दांतों का कमजोर होना

मैग्नीशियम हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाए रखता है। इसकी कमी से दांत कमजोर, टूटने वाले और कैविटी की समस्या बढ़ सकती है।

मुंह में बार-बार छाले

लगातार माउथ अल्सर (छाले) होना इम्यून सिस्टम की कमजोरी और मिनरल्स की कमी से जुड़ा हो सकता है, खासकर जब शरीर में मैग्नीशियम का स्तर कम हो।

मुंह में सूखापन

मुंह में बार-बार सूखापन महसूस होना भी मैग्नीशियम की कमी का लक्षण है, क्योंकि यह मिनरल मांसपेशियों और नर्व फंक्शन को संतुलित करता है।

दांत पीसना

रात में नींद के दौरान दांत पीसने की आदत कई बार नर्वस सिस्टम पर असर डालने वाली मैग्नीशियम की कमी से जुड़ी होती है।

मुंह से दुर्गंध आना

लार का कम बनना और पाचन एंजाइम्स की गड़बड़ी मैग्नीशियम की कमी के कारण होती है, जिससे मुंह से बदबू आ सकती है।

होठों का फटना और जलन

होठ बार-बार फटना, उन पर जलन होना और कोनों में घाव बन जाना भी मिनरल्स की कमी के साथ-साथ मैग्नीशियम डिफिशियेंसी का संकेत हो सकता है।

आयुर्वेद में काला नमक को बताया गया गुणकारी

आयुर्वेद में काले नमक को सामान्य नमक से ज्यादा गुणकारी माना गया है. इसमें ऐसे तत्व पाए जाते हैं जो पेट से जुड़ी समस्याओं को कम करने में मदद करते हैं. अगर आपको गैस, कब्ज, पेट फूलना या भारीपन जैसी दिक्कत होती है, तो काला नमक फायदेमंद हो सकता है. यह पाचन को बेहतर बनाता है और शरीर का संतुलन बनाए रखने में मदद करता है.

कितनी मात्रा में करना चाहिए सेवन

हर चीज की तरह काला नमक भी सीमित मात्रा में ही लेना चाहिए.इसकी तासीर गर्म होती है, इसलिए ज्यादा मात्रा में सेवन करने से नुकसान भी हो सकता है. रोजाना आधा चम्मच जितना काले नमक का सेवन सेहत के लिए सुरक्षित होता है. हालांकि इस बात का भी ध्यान रखें कि आप पूरे दिन में कुल एक चम्मच से ज्यादा नमक का सेवन न करें.

काले नमक के सेवन का सही तरीका

अगर आपको कब्ज की समस्या है, तो सुबह खाली पेट गुनगुने पानी में चुटकी भर काला नमक मिलाकर पी सकते हैं. इससे शरीर के विषैले पदार्थ बाहर निकलने में मदद मिलती है.

लेकिन जिन लोगों को हाई ब्लड प्रेशर, किडनी या हड्डियों से जुड़ी समस्या है, उन्हें ऐसा करने से पहले सावधानी बरतनी चाहिए या डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए.

काला नमक सूजन और दर्द को कम करने में भी मदद करता है. जोड़ों के दर्द में काला नमक और रेत की पोटली बनाकर सिकाई करने से राहत मिल सकती है. पेट में जलन होने पर छाछ में भुना जीरा और काला नमक मिलाकर पीना भी फायदेमंद होता है. इससे पेट को ठंडक मिलती है और खासकर गर्मियों में शरीर का संतुलन बना रहता है.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
सोमवार 20 अप्रैल 2026

खबरें गांव की...

दुकान में बैठे व्यापारी की गोली मारकर हत्या

मेरठ. यूपी के मेरठ में एक दुकानदार को देर रात दो बदमाशों ने गोली मार दी। दुकान के अंदर ही दुकानदार को गोली मारकर आरोपी फरार हो गए। बताया जा रहा है कि जानी थानाक्षेत्र में कुराली बस स्टैंड पर कन्फेक्शनरी शॉप मालिक की दुकान के अंदर ही गोली मारकर हत्या कर दी। वारदात को शनिवार रात करीब नौ बजे दो हथियारबंद हमलावरों ने अंजाम दिया और फरार हो गए। मामले में मिली जानकारी के अनुसार कुराली गांव निवासी 40 वर्षीय नरेश उर्फ गोलू पुत्र जगदीश की मेरठ-बागपत हाईवे पर कुराली बस स्टैंड पर कन्फेक्शनरी शॉप चलाते थे। शनिवार रात को करीब नौ बजे नरेश दुकान पर ही थे। इस दौरान दो युवक सामान लेने के बहाने से दुकान में घुस आए। जैसे ही सामान उठाने के लिए नरेश पीछे मुड़े तभी आरोपी ने तमंचा निकाल कर सिर पर पीछे से गोली मार दी। गोली लगते ही नरेश की मौत हो गई।

मानव तस्करी का भंडाफोड़, बांग्लादेशी नागरिक समेत 2 गिरफ्तार

देवरिया. उत्तर पुलिस ने देवरिया में मानव तस्करी का भंडाफोड़ किया है। इस आरोप में उन्होंने एक बांग्लादेशी नागरिक समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से तीन नाबालिग बच्चे छुड़ाए गए हैं। इनमें से दो लड़कियां है। मिली जानकारी के अनुसार 16/17 अप्रैल की रात अवध आसाम एक्सप्रेस में स्कोर्ट ड्यूटी कर रहे रेलवे सुरक्षा बल के हेड कांस्टेबल अखिलेश यादव, विमलेश कुमार और कांस्टेबल शैलेश कुमार यादव को बिहार के जिरादेई पहुंचने पर जनरल कोच में दो नाबालिग लड़कियां, एक नाबालिग लड़का और दो वयस्क पुरुष संदिग्ध हालत में दिखाई दिए। स्कोर्ट ड्यूटी में लगे कर्मचारियों ने उनसे पूछताछ की तो नाबालिग लड़कियों और लड़के ने बताया कि दोनों व्यस्क व्यक्ति जिनके नाम जाहीर हुसैन उर्फ जाहिद हुसैन उर्फ अयात तुसैन और सद्दाम हुसैन पुत्र नूर अहमद हैं, वे उन्हें शादी कराने या मजदूरी में लगाने के लिए गुवाहाटी से दिल्ली के रास्ते कश्मीर ले जा रहे हैं।

कारीगर को बंधक बना ले गए 30 किलो चांदी

आगरा. यूपी के आगरा में नगला छदामी (एत्मादुद्दौला) स्थित मंगल विहार कालोनी में शुक्रवार देर रात चांदी कारीगर के घर नकाबपोश बदमाशों ने धावा बोला। चोरों की तर्ज पर बदमाश पहले छत काटकर अंदर आए। गृहस्वामी को तमंचे के बल पर बंधक बनाया। दरवाजे खोलकर तीन साथी और अंदर बुला लिए। बदमाश घर में रखी करीब 30 किलोग्राम चांदी ले गए। पुलिस इस मामले को चोरी का बता रही है। चांदी कहां से आई, इसे लेकर भी कारीगर से कई घंटे तक पूछताछ हुई। पुलिस कई पहलुओं से जांच कर रही है। वहीं इलाके में हल्ला है कि डकैती पड़ी है। घटना मध्यरात्रि के समय की है। मंगल विहार कालोनी रेलवे लाइन के किनारे है। दो मंजिला मकान में राधेश्याम और उनके बेटे रामदत्त व संजय निषाद के परिवार रहते हैं। रामदत्त और संजय की पत्नियां सगी बहनें हैं।

PM बोले-महिला आरक्षण बिल पास नहीं हुआ, माफी मांगता हूं

- विपक्ष ने आधी आबादी का अधिकार छीना, उन्हें इस पाप की सजा मिलेगी

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार रात 8.30 से 9 बजे, 30 मिनट तक देश को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा, 'महिला आरक्षण बिल में संशोाधन नहीं हो पाया। मैं सभी माताओं-बहनों से माफी मांगता हूं।'

PM ने विपक्ष की आलोचना करते हुए कहा, 'मेरे लिए देशहित सर्वोपरि है। जब कुछ लोगों के लिए दलहित देशहित से बड़ा हो जाता है तो नारी शक्ति को ही इसका खामियाजा उठाना पड़ता है।' PM ने आगे कहा- कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके जैसे विपक्षी दल इस भ्रूणहत्या के गुनहगार हैं। ये देश के संविधान के अपराधी हैं। नारी शक्ति के अपराधी हैं। जिन लोगों ने आधी आबादी का अधिकार छीना, उन्हें इस पाप की सजा मिलेगी।

लोकसभा में शुक्रवार को महिला आरक्षण से जुड़ा संविधान (131वां संशोधन) बिल पास नहीं हो सका था। बिल में लोकसभा सीटें 543 से बढ़ाकर 816 करने और महिलाओं को 33% आरक्षण देने का प्रस्ताव था। बिल के पक्ष में 298 और विरोध में 230 वोट पड़े, जबकि इसे पास करने के लिए 352 वोटों की जरूरत थी।

PM के संबोधन की बड़ी बातें...

महिलाओं के सपने को कुचला: आज भारत का हर नागरिक देख रहा है कि कैसे भारत की नारी शक्ति की उड़ान को रोक दिया गया। उनके सपनों को बेरहमी से कुचल दिया गया।

विपक्ष ने खुशी से मेजें थपथपाई : कल देश की करोड़ों महिलाओं की नजर संसद पर थी। जब ये नारी हित का प्रस्ताव गिरा तो कांग्रेस, डीएमके, टीएमसी, सपा जैसी परिवारवादी पार्टियां खुशी से

तालियां बजा रही थीं। महिलाओं से उनके अधिकार छीनकर ये लोग मेजें थपथपा रहे थे।

नारी अपमान कभी नहीं भूलती: कल विपक्ष ने जो भी किया वह केवल टेबल पर थाप नहीं थी। वह नारी के स्वाभिमान पर चोट थी। नारी सब भूल जाती है, अपना अपमान कभी नहीं भूलती। इसलिए संसद में कांग्रेस के उसके सहयोगियों के व्यवहार की कसक, हर नारी के मन में हमेशा रहेगी।

परिवारवादी पार्टियां डर गई: परिवारवादी पार्टियों के भीतर महिलाओं के लिए असुरक्षा की भावना है। परिसीमन के बाद महिलाओं का कद बढ़ता इसलिए उन्होंने बिल का विरोध किया। देश की नारी शक्ति कांग्रेस और उसके साथी दलों के लिए पाप के लिए माफ नहीं करेगी।

विपक्ष हमेशा से कुतर्क गढ़ता है: कांग्रेस, सपा, डीएमके और टीएमसी हर बार वही बहाने, वही कुतर्क गढ़ते आए हैं। कोई न कोई तकनीकी पेच फंसाकर ये महिलाओं के अधिकारों पर डाका डालते रहे हैं। देश राजनीति का यह भद्दा पैटर्न बराबर समझ चुका है।

विपक्ष को पाप की सजा मिलेगी: कल जिन लोगों ने बिल का विरोध किया है, उनसे मैं दो-टूक कहूंगा कि ये लोग नारी शक्ति को हल्के में ले रहे हैं। वे भूल रहे हैं कि 21वीं सदी की नारी देश की हर घटना पर नजर रख रही है। जिन लोगों ने आधी आबादी का अधिकार छीना, उन्हें इस पाप की सजा मिलेगी।

अली खामेनेई को दफनाने से क्यों डर रहा ईरान

- हत्या को हो चुके डेढ़ महीने से ज्यादा

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या के कई हफ्तों बाद भी उनका अंतिम संस्कार नहीं हो सका है। न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी अधिकारी अभी तक यह फैसला नहीं ले पाए हैं कि उन्हें कब और कहां दफनाया जाए। इसके पीछे की वजह है सिक्योरिटी। बताया जा रहा है कि अब भी सुरक्षा स्थिति अत्यंत संवेदनशील बनी हुई है। शायद यही कारण है कि सरकार बड़े सार्वजनिक अंतिम संस्कार से बच रही है। आशंका है कि इस दौरान इजरायल की ओर से हमला हो सकता है या फिर देश के अंदर अशांति भड़क सकती है। मौजूदा युद्ध जैसे हालात और लगातार

तनाव के कारण किसी भी बड़े आयोजन को जोखिम भरा माना जा रहा है।

- अस्थायी युद्धविराम के बावजूद तारीख तय नहीं

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, मशहद को खामेनेई को दफनाने के लिए संभावित स्थान माना जा रहा है। यह उनका गृह नगर है और यहां इमाम रजा दरगाह धार्मिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है। साथ ही, यहां सुरक्षा व्यवस्था भी अपेक्षाकृत मजबूत मानी जाती है। शुरू में 4 मार्च से तीन दिन के राजकीय अंतिम संस्कार की योजना बनाई गई थी, लेकिन अमेरिका-इजरायल के बढ़ते हमलों के कारण इसे रद्द कर दिया गया। 8 अप्रैल को हुए अस्थायी युद्धविराम के बावजूद स्थिति अभी भी अनिश्चित है, जिससे अंतिम संस्कार की तारीख तय नहीं हो पा रही।

28 फरवरी को हुई थी खामेनेई की मौत

रिपोर्ट्स के अनुसार, खामेनेई की मौत 28 फरवरी 2026 को अमेरिका और इजरायल के संयुक्त हवाई हमलों में हुई थी, जिसने पूरे क्षेत्र में संघर्ष को और तेज कर दिया। इस घटना के बावजूद ईरान में 1989 में अयातुल्ला रुहोल्लाह खोमेनेई के निधन जैसी बड़ी सार्वजनिक भीड़ या शोक प्रदर्शन नहीं देखा गया। दूसरी ओर एक्सपर्ट्स का मानना है कि सरकार को आंतरिक विरोध और संभावित प्रदर्शनों का भी डर है। बड़े जनसमूह इकट्ठा होने पर नियंत्रण बनाए रखना मुश्किल हो सकता है, इसलिए स्थिति को टाला जा रहा है।

- ईरान बोला- दुश्मन पर भरोसा नहीं

इस बीच, ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बगेर गालिबफ ने कहा कि मध्य पूर्व में संघर्ष के समाधान के लिए वाशिंगटन और तेहरान के बीच चल रही बातचीत के बावजूद ईरान के सशस्त्र बल पूरी तरह युद्ध के लिए तैयार हैं। प्रेस टीवी के हवाले से उन्होंने कहा कि हमें दुश्मन पर भरोसा नहीं है।

इटली में गुरुद्वारे के सामने चलीं गोलियां

- दो भारतीयों की मौत
- हमलावर की तलाश जारी

इटली के बर्गामो में एक गुरुद्वारे के सामने फायरिंग की घटना सामने आई है। जानकारी के मुताबिक एक संदिग्ध व्यक्ति ने दो भारतीयों की गोली मारकर हत्या कर दी। आरोपी फिलहाल फरार है और उसकी तलाश जारी है।

यह गुरुद्वारा एक गोदाम में था जिसका इस्तेमाल पूजा स्थल के रूप में किया जा रहा था। 'ला सिसिलिया' अखबार के अनुसार, यह हमला शुक्रवार को मध्य रात्रि से कुछ देर पहले शहर के औद्योगिक क्षेत्र में गुरुद्वारा माता

साहिब कौर जी के सामने स्थित चौक में हुआ।

जानकारी के मुताबिक मारे गए दोनों भारतीय सिख हैं। वे गुरुद्वारे से बाहर निकल रहे थे तभी एक अज्ञात हमलावर ने गोली चला दी। दोनों मृतकों की पहचान राजिंदर सिंह और गुरमीत सिंह के तौर पर की गई है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि गोली चलाने वाला भी एक भारतीय ही है। वह किसी वाहन से वहां से तुरंत फरार हो गया।

नेपाल की सख्ती ने बढ़ाई भारत की चिंता

- सीमा पर बाजार में बिक्री घटी

नेपाल की नई सरकार कस्टम नियमों में सख्ती बरत रही है, जिसका असर सीमा से लगे भारतीय बाजारों पर दिखने लगा है। 100 रुपये से अधिक मूल्य के सामान पर अनिवार्य कस्टम शुल्क (भंसार) को सख्ती से लागू कर दिया गया है। इसके चलते नेपाल से आने वाले ग्राहकों की संख्या घट गई है और बाजार में खरीदारी कम हो गई है।

करीब दो साल पहले यह आदेश जारी हुआ था, लेकिन इसे सख्ती से लागू नहीं किया जा सका। अब सरकार ने इसे प्रभावी रूप से लागू कर दिया है। कस्टम शुल्क 5 प्रतिशत से 80 प्रतिशत तक लगाया जा रहा है। इसका सबसे ज्यादा असर सीमांत जिलों के व्यापारियों पर पड़ रहा है, जिनका अधिकांश व्यापार नेपाल के ग्राहकों पर निर्भर है।

भारतीय बाजारों की अर्थव्यवस्था पर असर

नेपाल सरकार की सख्ती का असर उत्तराखंड के सीमावर्ती क्षेत्रों के कारोबार पर साफ दिख रहा है। 100 रुपये से अधिक के सामान पर भंसार वसूली से 90% तक नेपाल पर निर्भर बाजारों की अर्थव्यवस्था प्रभावित हुई है। नेपाली नागरिकों के लिए भारत से सामान खरीदना महंगा हो गया है।

उत्तराखंड में खटीमा के नेपाल बॉर्डर से लगे मेलाघाट और नगला तराई बाजारों में ग्राहकों की संख्या घटने लगी है। रोजमर्रा के सामान, जिनकी कीमत 100 रुपये से अधिक है। जैसे रिफाइंड तेल, चीनी और दाल पर भी भंसार देना पड़ रहा है। ऐसे में लोग सीमित खरीदारी कर रहे हैं या बाजार आना ही कम कर चुके हैं।

भारतीय सीमा से लगे नेपाल के चांदनी, दोधारा, बाबाथान और सुंदरनगर के लोग मेलाघाट और नगला तराई बाजारों में खरीदारी के लिए आते हैं, लेकिन अब उनकी संख्या घट गई है। मेलाघाट के व्यापारी दयाशंकर ने बताया कि यहां करीब 200 दुकानें हैं और सभी प्रभावित हैं। उन्होंने आशंका जताई कि यदि स्थिति यही रही तो व्यापारियों को भारी नुकसान उठाना पड़ेगा।

पटाखा फैक्ट्री में धमाका, 16 लोगों की मौत, छह घायल

चेन्नई. तमिलनाडु की पटाखा फैक्ट्री में जोरदार धमाका हुआ है। इस हादसे में 16 लोगों की मौत हो गई है। वहीं, छह अन्य लोग घायल हुए हैं।

यह हादसा विरुधुनगर के करीब कट्टानरपट्टी में हुआ है। शुरुआती रिपोर्ट्स से पता चलता है कि विस्फोट जिले के कट्टानरपाट्टी गांव के एक पटाखा निर्माण इकाई में हुआ। अब आग पर नियंत्रण पा लिया गया है। छह घायल व्यक्तियों को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। अधिकारियों ने बताया कि बचाव अभियान जारी है।

मॉडल हर्षा रिछारिया ने लिया संन्यास

- अब स्वामी हर्षानंद गिरि के नाम से जानी जाएंगी

उज्जैन. सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर, कंटेंट क्रिएटर और मॉडल हर्षा रिछारिया ने रविवार को अक्षय तृतीया पर संन्यास ले लिया। उन्हें उज्जैन के मौनी तीर्थ आश्रम में पंचायती निरंजनी अखाड़ा के पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी सुमनानंद गिरि महाराज ने संन्यास दीक्षा दी।

संन्यास परंपरा के अनुसार, उन्हें शिखा और दंड त्याग की विधि

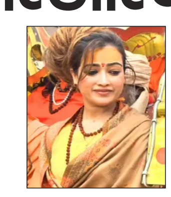

कराई गई। साथ ही तर्पण, पिंडदान और श्राद्ध कर्म भी कराए गए, जो पूर्व जीवन के त्याग और नए आध्यात्मिक जीवन की शुरुआत का प्रतीक माने जाते हैं। धार्मिक अनुष्ठानों के बाद हर्षा रिछारिया ने संन्यास ग्रहण किया और उन्हें नया नाम स्वामी हर्षानंद गिरि दिया गया। इस मौके पर स्वामी हर्षानंद गिरि ने कहा कि यह उनके जीवन का नया अध्याय है। उन्होंने गुरुदेव के मार्गदर्शन में संन्यास का मार्ग अपनाया है और संकल्प लिया है कि वे अपना जीवन धर्म, संस्कृति और समाज की सेवा में समर्पित करेंगी और संन्यास की मर्यादा का पालन करेंगी।

संन्यास दीक्षा एक गहन और अनुशासित प्रक्रिया

महामंडलेश्वर स्वामी सुमनानंद गिरि महाराज ने कहा- संन्यास दीक्षा एक गहन और अनुशासित प्रक्रिया है। इसमें व्यक्ति अपने पूर्व जीवन का त्याग कर आध्यात्मिक पथ पर चलता है। मेरा सभी संन्यासियों से यही आग्रह रहता है कि वे संन्यास की गरिमा को कभी कलंकित नहीं होने दें।

चारधाम यात्रा शुरू, गंगोत्री-यमुनोत्री के कपाट खुले

- पहली पूजा PM के नाम की हुई
- बाबा केदार की डोली भी ऊखीमठ से रवाना

देहरादून. उत्तराखंड में आज से चारधाम यात्रा शुरू हो गई है। दोपहर 12 बजकर 15 मिनट पर गंगोत्री और 12 बजकर 35 मिनट पर यमुनोत्री के कपाट खोल दिए गए। गंगोत्री में पहली पूजा पीएम मोदी के नाम की हुई, जिसमें मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी शामिल हुए। इस पूजा के खत्म होने के बाद आम लोग अब मां गंगा के दर्शन कर पा रहे हैं।

उधर, मां यमुनोत्री में कपाट खुलते ही काफी देर से दर्शन के लिए खड़े लोगों की भीड़ अब मंदिर की तरफ बढ़ती दिख रही है।

वहीं, बाबा केदार की डोली भी अपने शीतकालीन गद्दी स्थल ओंकारेश्वर मंदिर से फाटा की ओर रवाना हो गई है। बाबा की पंचमुखी डोली 21 अप्रैल को केदारनाथ पहुंचेगी जिसके बाद अगले दिन 22 अप्रैल कपाट खुलेंगे।

200-फीट गहरी खाई में गिरी बस, दो महिलाओं की मौत 31 यात्री घायल

अजमेर. अजमेर में सवारियों से भरी बस 200 फीट नीचे खाई में गिर गई। हादसे में दो महिलाओं की मौत हो गई। 31 लोग घायल हो गए। पुष्कर जा रही बस में 33 लोग सवार थे। वे पीसांगन (अजमेर) में मायरा भरने जा रहे थे।

इस दौरान पुष्कर घाटी में बस बेकाबू हो गई। हादसा पुष्कर से करीब 3 किलोमीटर पहले रविवार दोपहर करीब 12 बजे हुआ। मौके से गुजर रहे लोगों ने कपड़ों से रस्सी बनाकर घायलों को खाई से बाहर निकाला। सभी यात्रियों को पहले पुष्कर के सरकारी अस्पताल लेकर गए। वहां से उन्हें अजमेर के जेएलएन हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया।

बंगाल में केवल वोटर ही मतदान केंद्र के 100 मीटर के दायरे में जा सकेंगे

- EC ने खींची लक्ष्मण रेखा

कोलकाता. निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल के 152 निर्वाचन क्षेत्रों में 23 अप्रैल को होने वाले पहले चरण के चुनाव के दौरान स्वतंत्र व शांतिपूर्ण मतदान के लिए कई कदम उठाए हैं। इसके तहत, मतदान केंद्रों पर केवल मतदातओं को ही 100 मीटर के दायरे में जाने की इजाजत होगी। सीनियर अधिकारी ने कहा, 'मतदान केंद्रों के पास व्यवस्था बनाए रखने और अनुचित प्रवेश को रोकने के लिए 100 मीटर की परिधि तय की जाएगी। केवल

मतदाताओं को ही अंदर जाने की अनुमति होगी।' उन्होंने कहा कि बूथ स्तरीय अधिकारी (BLO) और अन्य सरकारी कर्मचारी इस सीमा के बाहर तैनात रहेंगे, जहां मतदाता दस्तावेजों का सत्यापन किया जाएगा।

सीनियर अधिकारी ने बताया कि प्रतिबंधित क्षेत्र के भीतर, अतिरिक्त जांच की व्यवस्था की जाएगी। इसके तहत मतदान केंद्र में प्रवेश करने से पहले मतदाता दस्तावेजों का दो अलग-अलग स्थानों पर दोबारा सत्यापन कराना अनिवार्य होगा। उन्होंने बताया कि इस उपाय का उद्देश्य फर्जी मतदान को रोकना है। उन्होंने कहा, 'विचार यह है कि सत्यापन के कई स्तर हों ताकि केवल वास्तविक मतदाता ही अपना वोट डाल सकें।' निर्वाचन आयोग ने मतदाता पर्ची वितरण के संबंध में भी निर्देश जारी किए हैं। मतदान कर्मियों को घर-घर जाकर पर्ची वितरित करने का निर्देश दिया गया है। पीठासीन अधिकारी उन मतदाताओं का रिकॉर्ड रखेंगे जिनसे संपर्क नहीं हो सका और इसके कारणों का भी उल्लेख करेंगे।

अगर किसी मतदाता को पर्ची न मिले तो...

अधिकारी ने बताया कि मतदान के दिन, अगर कोई मतदाता जिसे पर्ची नहीं मिली है, मतदान केंद्र पर आता है तो पीठासीन अधिकारी उसे वोट डालने की अनुमति देने से पहले मतदाता सूची में उसके नाम और फोटो का मिलान करके उसकी पहचान सत्यापित करेंगे। इस बीच, पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल ने दोहराया है कि मतदान के दिन किसी भी प्रकार की गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

भारत से भागा लश्कर का 'खरगोश' सऊदी में मिला

पाकिस्तान के आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादी उमर हारिस उर्फ 'खरगोश' के सऊदी अरब में छिपे होने की जानकारी सामने आई है। जम्मू-कश्मीर पुलिस के मुताबिक इस आतंकी ने पाकिस्तान से आने के बाद कुछ साल कश्मीर में गुजारे उसके बाद राजस्थान की राजधानी जयपुर में शादी की थी। इस शादी के दस्तावेजों के आधार पर इसने फर्जी भारतीय पासपोर्ट बनवाया और फिर सज्जाद नामक पहचान के आधार पर देश से फरार हो गया। अधिकारियों के मुताबिक, हारिस 2012 में पाकिस्तान से जम्मू-कश्मीर आया था। हाल ही में गिरफ्तार किए गए आतंकियों से पूछताछ के आधार पर यह जानकारी सामने आई है।

चेन्नई IPL सीजन में चौथा मैच हारी

चेन्नई सुपर किंग्स IPL के मौजूदा सीजन में चौथा मैच हार गई है। उसे शनिवार के दूसरे मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद ने 10 रनों से हराया। पहले मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 6 विकेट से हराया।

राजीव गांधी स्टेडियम में 195 रन का टारगेट चेज कर रही चेन्नई 20 ओवर में 8 विकेट पर 184 रन तक ही पहुंच सकी। इससे पहले हैदराबाद ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 194 रन बनाए।

- अभिषेक-क्लासन की फिफ्टी

हैदराबाद की ओर से अभिषेक शर्मा और हेनिरक क्लासन ने 59-59 रन की अर्धशतकीय पारियां खेलीं। CSK से जैमी ओवर्टन और अंशुल कम्बोज ने 3-3 विकेट लिए।

- ईशान मलिंगा ने 3 विकेट झटके

हैदराबाद की ओर से ईशान मलिंगा ने 3 विकेट झटके। उन्होंने मैथ्यू शॉर्ट, सरफराज खान और ऋतुराज गायकवाड को भी पवेलियन भेजा। नीतीश कुमार रेड्डी और प्रफुल्ल हिंगे ने 2-2 विकेट झटके। शिवांग कुमार और साकिब हुसैन को एक-एक विकेट मिला।

हैदराबाद की टीम ने लगातार दूसरी जीत हासिल की है। टीम इस सीजन से मौजूदा सीजन की पॉइंट्स टेबल के चौथे स्थान पर आ गई है। वहीं, चौथा मैच गंवाने वाली चेन्नई 7वें नंबर पर है।

अभिषेक ने छक्के से फिफ्टी पूरी की

पांचवें ओवर की आखिरी गेंद पर अभिषेक शर्मा ने मैथ्यू शॉर्ट के खिलाफ छक्का लगाया। इसी के साथ उन्होंने 15 गेंद पर अपनी फिफ्टी पूरी कर ली। इस ओवर में अभिषेक ने शॉर्ट के खिलाफ लगातार 5 बाउंड्री लगाईं। इनमें 3 चौके और 2 छक्के शामिल रहे। अभिषेक ने SRH के लिए सबसे तेज फिफ्टी का रिकॉर्ड भी बना लिया। इससे पहले उन्होंने और ट्रैविस हेड ने 16-16 गेंदों पर हाफ सेंचुरी लगाई थी।

कानपुर-पिता ने जुड़वा बेटियों की हत्या की

- अफसर पहुंचे तो पत्नी बोली- इसे अभी फांसी दे दो

कानपुर. कानपुर में रविवार तड़के 45 साल के पिता ने अपनी 11 साल की जुड़वा बेटियों की हत्या कर दी। पिता ने कमरे में बेटियों का गला रेत दिया। लाश के पास बैठा रहा। खुद ही पुलिस को कॉल किया। बोला- मैंने अपनी बच्चियों को मार डाला है। आप लोग आ जाइए।

पुलिस जब आरोपी के घर पहुंची तो दरवाजा बंद था। पुलिस ने घंटी बजाई तो पत्नी ने दरवाजा खोला। पुलिस देखकर पत्नी घबरा गई। पूछा-क्या हो गया। तब पुलिस ने पति के कॉल वाली बात बताई।

पत्नी भागते हुए पति के कमरे में पहुंची तो देखा बच्चियों के खून से लथपथ शव फर्श पर पड़े हुए थे। आरोपी पिता शशि रंजन मिश्रा लाश के बगल में बैठा हुआ था। पुलिस ने मौके से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी शशि रंजन दवा कंपनी में एमआर (मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव) है। वह नौबस्ता थाने के किदवई नगर में त्रिमूर्ति अपार्टमेंट में पत्नी रेशमा छेत्री और तीन बच्चे रिद्धी, सिद्धी और 6 साल के बेटे गन्नू के साथ रहते थे। बेटियों की हत्या के बाद बदहवास रेशमा ने रोते हुए कहा- पति को आज ही फांसी दे दी जाए।

डीसीपी (दक्षिण) दीपेंद्र नाथ चौधरी ने कहा- रविवार तड़के 4.30 बजे 112 नंबर पर आरोपी ने खुद कॉल करके बेटियों की हत्या की सूचना दी। पुलिस जब फ्लैट पर पहुंची तो दोनों बेटियों रिद्धी, सिद्धी का शव फर्श पर अगल-बगल पड़ा था। पूरे कमरे में खून फैला था। पास में चाकू पड़ा था।

पत्नी के चरित्र पर शक

शुरुआती जांच में सामने आया है कि आरोपी पति को पत्नी के चरित्र पर शक था। पल-पल निगरानी रखता था। घर के कमरे तक में उसने सीसीटीवी लगवा रखे थे। हालांकि, बेटियों की हत्या क्यों की? इसकी वजह अभी साफ नहीं हो पाएगी।

आसाराम केस का गवाह ब्लैकमेलिंग में अरेस्ट

- पानीपत में सरपंच से 70 लाख हड़पे
- महेंद्र के भाई- भतीजे और मां पर भी FIR

पानीपत. हरियाणा के पानीपत में आसाराम केस के मुख्य गवाह महेंद्र चावला को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। महेंद्र ने एक केस में सरपंच से ब्लैकमेल कर 70 लाख रुपए हड़प लिए। रुपए देने के बाद भी आरोपी 80 लाख रुपए की डिमांड करता रहा।

महेंद्र को रुपए देने की अब एक वीडियो भी सामने आई है, जिसमें एक व्यक्ति बैग ले जाता दिख रहा है। दावा किया जा रहा है कि

महेंद्र का भाई एक मीडिएटर के घर से बैग में 70 लाख रुपए कैश ले गया। सीआईए ने मामले में कार्रवाई करते हुए महेंद्र, भाई देवेंद्र और भतीजे राम को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं पुलिस ने महेंद्र की मां गोपाली देवी के खिलाफ भी FIR दर्ज कर ली है।

आसाराम से कैसे जुड़ा महेंद्र

पानीपत के सनौली खुर्द गांव का रहने वाला महेंद्र 1996 में आसाराम से जुड़ा है। काफी दिनों तक आसाराम के अहमदाबाद और सूरत आश्रम में भी उनके साथ रहा। परिजनों के अनुसार, महेंद्र 2006 में वापस गांव लौट गया। 2008 में आसाराम के अहमदाबाद आश्रम में 2 बच्चों के मरने की घटना से महेंद्र आहत हुआ था। इसके बाद से ही उसने आसाराम से दूरी बनानी शुरू कर दी। जब दोनों आसाराम और बेटे नारामण साई पर दुराचार के आरोप लगे तो महेंद्र आश्रम से अलग रहने ला। साल 2013 में एक नाबालिग ने आसाराम पर यौन शोषण का आरोप लगाया था, इस केस में महेंद्र चावला ने गवाही दी थी।

ठाणे में गर्मी का कहर

- 40 डिग्री की गर्मी में तप रहा है
- कंक्रीटिंग की वजह से 'हीट आइलैंड' का खतरा बढ़ रहा है

ठाणे. शहर में अभी टेम्परेचर 38 से 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है, और तस्वीर यह बन रही है कि बढ़ती कंक्रीटिंग की वजह से 'अर्बन हीट आइलैंड' का असर और बढ़ रहा है।पर्यावरणविद डॉ. प्रशांत सिनकर ने कहा कि ठाणे जो कभी अपनी हरियाली के लिए जाना जाता था, अब सीमेंट-कंक्रीट के जाल में फंसता जा रहा है, जिसका सीधा असर एनवायरनमेंट और यहां के लोगों की हेल्थ पर पड़ रहा है। अर्बन इकोलॉजी के हिसाब से, खुली ज़मीन, पानी के सोर्स और घनी पेड़-पौधे नेचुरल कूलिंग के लिए बहुत ज़रूरी फैक्टर हैं। हालांकि, शहर में कंक्रीट की डामर सड़कें, बढ़ते कंस्ट्रक्शन और कांच की ऊंची इमारतें गर्मी सोखने और उसे लंबे समय तक बनाए रखने के प्रोसेस को बढ़ा रही हैं। नतीजतन, दिन और रात के टेम्परेचर के बीच का अंतर कम हो रहा है, जिससे इलाका और गर्म हो रहा है। जैसे-जैसे ठाणे में खुली जगह और हरियाली तेज़ी से कम हो रही है, 'इवैपो-ट्रांसपिरेशन' का नैचुरल प्रोसेस भी कम हो रहा है। जैसे-जैसे पेड़ों की एटमॉस्फियर में गर्मी कम करने की क्षमता कम हो रही है, शहर में गर्मी जमा हो रही है। खास तौर पर, बड़े, छायादार पेड़ों को काटकर उनकी जगह सजावटी या तेज़ी से बढ़ने वाले ऐसे पेड़ लगाने का बढ़ता ट्रेंड, जिनका इकोलॉजिकल तौर पर कम इस्तेमाल होता है, स्थिति को और गंभीर बना रहा है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, कांच की इमारतें लोकल लेवल पर 'ग्रीनहाउस इफ़ेक्ट' पैदा करती हैं। सूरज की रोशनी अंदर तो आती है, लेकिन गर्मी पूरी तरह से बाहर नहीं निकल पाती, जिससे इलाके का टेम्परेचर और बढ़ जाता है। इसके अलावा, गाड़ियों की बढ़ती संख्या, एयर कंडीशनर का इस्तेमाल और इंडस्ट्रियल एक्टिविटी भी गर्मी को और बढ़ा रही हैं।टेम्परेचर बढ़ने का सीधा असर लोगों की हेल्थ पर पड़ रहा है, और यह भी कहा जा रहा है कि हीट स्ट्रोक, सांस की बीमारियां और दिल की बीमारियां बढ़ने की संभावना है। सीनियर सिटिजन, बच्चे और बाहर काम करने वाले लोग खास तौर पर इससे प्रभावित हो रहे हैं। पर्यावरणविदों के अनुसार, स्थिति को कंट्रोल करने के लिए शहर में 'ग्रीन कवर' बढ़ाना, देसी पेड़ों की प्रजातियों को बचाना, बारिश का पानी इकट्ठा करना, खुली ज़मीनों को बचाना और 'कूल रूफ' टेक्नोलॉजी अपनाना ज़रूरी है। साथ ही, अर्बन प्लानिंग में इकोलॉजिकल बैलेंस को प्राथमिकता देना भी समय की ज़रूरत बन गया है। कुदरत की मेहरबानी से नवाज़ा गया ठाणे शहर इस समय डेवलपमेंट और पर्यावरण के बीच टकराव के दौर में है। सही समय पर साइंटिफिक और पर्यावरण के अनुकूल उपाय लागू करके ही भविष्य में गर्मी और प्रदूषण के खतरे से बचा जा सकता है; नहीं तो 'स्मार्ट सिटी' के साथ-साथ 'हॉट सिटी' के तौर पर भी पहचान बनने का डर है।शहर में सीमेंट-कंक्रीट बढ़ने से ज़मीन गर्मी सोख लेती है और हवा के ठंडा होने का प्रोसेस धीमा हो जाता है; इसीलिए ठाणे में तापमान बढ़ रहा है। हरियाली बढ़ाना इसका एक आसान और असरदार उपाय है।

संक्षेप...

फर्जी मैसेज भेजकर बुजुर्ग से 20 लाख की ठगी

ठाणे. ठाणे शहर के कापुरबावड़ी पुलिस थाना क्षेत्र में एक बुजुर्ग आदमी को फर्जी मैसेज भेजकर साइबर अपराधियों ने अपना शिकार बना लिया. पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज मामले की जाँच कर रही है. बताया गया कि माजीवडा इलाके में रहने वाले 61 साल के रिटायर्ड व्यक्ति को एक फ़र्ज़ी मैसेज आया. जिसमें कहा गया था कि उनकी गाड़ी पर आरटीओ का दंड प्रलंबित है और अगर दंड तुरंत नहीं भरा तो एक्शन लिया जाएगा. इस मैसेज में फाइन भरने के लिए एक लिंक भी दिया गया था. जैसे ही बुज़ुर्ग ने लिंक खोला, उनका मोबाइल फ़ोन हैक हो गया. इसके बाद साइबर अपराधियों ने उनके बैंक अकाउंट से कुल 20 लाख 16 हजार 21 रुपये ऑनलाइन निकाल लिए. बैंक से पैसा गायब होने के बाद ठगे जाने का आभास होने पर वरिष्ठ नागरिक पहले बैंक भागे फिर पुलिस स्टेशन में साइबर फ्रॉड की ऑनलाइन कंप्लेंट भी दर्ज कराई.

67 वर्ष बाद विद्यालय पहुंचे पूर्व मंत्री

- बोले—संस्कार आधारित शिक्षा ने गढ़ा जीवन का आधार

तुलसी मानस में सुंदरकांड से सजी एलुमनाई मीट

ठाणे. परेल स्थित श्री तुलसी मानस मंदिर और श्री तुलसी मानस हिन्दी माध्यमिक विद्यालय के 70 वर्ष पूरे होने पर आयोजित सुंदरकांड पाठ और एलुमनाई मीट सप्ताह ने पुराने और नए विद्यार्थियों को एक मंच पर ला दिया। दशकों बाद लौटे पूर्व विद्यार्थियों ने अपनी यादें ताजा कीं।कार्यक्रम का सबसे भावुक क्षण तब देखने को मिला, जब राज्य के पूर्व मंत्री और पूर्व सांसद रमेश दुबे 67 वर्ष बाद अपने विद्यालय पहुंचे। उन्होंने कहा, 'हमारे समय में पहली पीरियड में धर्म शिक्षा अनिवार्य थी, जिसने हमें समाज और परिवार के प्रति जिम्मेदार बनाया। आज वही संस्कार जीवन में मार्गदर्शक हैं।'

मुंबई भाजपा के उपाध्यक्ष अमरजीत मिश्र ने सुंदरकांड से कार्यक्रम की शुरुआत को संस्थान की मूल भावना के अनुरूप बताया। उन्होंने कहा, '10 से 67 साल बाद लौटे लोग आज भी खुद को इसी विद्यालय का बच्चा मानते हैं, यही इसकी सबसे बड़ी पूंजी है।ट्रस्टी माणिक लाल शाह ने पूर्व विद्यार्थियों की बड़ी उपस्थिति पर भावुक होते हुए कहा, 'पूर्व छात्रों के सहयोग से हम इस संस्था को शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे।' पूर्व विद्यार्थी परिषद के अध्यक्ष एन.के. पांडेय ने इसे पीढ़ियों को जोड़ने का प्रयास बताया। उन्होंने कहा, तुलसी मानस ने हमें जो पहचान दी है, उसे लौटाने का यह प्रयास है। हमारा लक्ष्य है कि हर पूर्व विद्यार्थी फिर से इस परिवार से जुड़े और संस्था को आगे बढ़ाए। सुंदरकांड के यजमान रामकिशोर दरक ने विद्यालय की ऐतिहासिक भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि इस संस्थान ने हिंदीभाषी समाज को शिक्षित कर उन्हें रोजगार और व्यवसाय में स्थापित किया है।

वहीं, 53 वर्ष बाद लौटे उद्योगपति राजपति तिवारी ने कहा, 'यहां आकर ऐसा लगा जैसे बचपन लौट आया हो। आज समझ आता है कि शिक्षकों की बातें जीवन में कितनी महत्वपूर्ण थीं।'

इस अवसर पर सुमिता सुमन सिंह, जयंती लाल शाह,आनंद प्रकाश सिंह,पुरुषोत्तम अग्रवाल, जगदीश तिवारी, अशोक जायसवाल, रमेश लोढ़ा, शांतिलाल जैन, मोहन सिंह,प्रमोद यादव,आर आर मिश्रा,बेला आश, कैप्टन कमलेश सिंह, अखिलेश गुप्ता, ईश्वरचंद साव, मदन जैन, हीना जैन, राज तिवारी, भरत जैन, कैप्टन जीवन तिवारी, सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

शिविर में 121 लोगों ने किया रक्तदान

- थैलीसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए हुआ संकलन
- पुण्यतिथि पर रक्तदाताओं ने दिखाया पीड़ित बच्चों के उपचार का जज्बा

भिवंडी. भिवंडी के प्रखर समाजसेवी, दानशूर तथा कई सामाजिक, धार्मिक संगठनों के प्रमुख रहे स्व.पुष्पतराज जैन की प्रथम पुण्यतिथि अवसर पर श्री भैरव सेवा समिति भिवंडी द्वारा रोटरी क्लब ऑफ भिवंडी, लायंस क्लब,लॉर्ड्स क्लब, आईएमए, बीएमपीए,पॉली क्लिनिक आदि के संयुक्त तत्वाधान में थैलीसीमिया पीड़ित बच्चों की उपचार सुविधा की खातिर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया.श्री भैरव सेवा समिति चैरिटेबल नेत्र चिकित्सालय (नजराना कंपाउंड) की प्रथम मंजिल पर आयोजित रक्तदान शिविर में 121 रक्तदाताओं ने थैलीसीमिया से पीड़ित बच्चों की चिकित्सा की खातिर रक्तदान किया.उक्त मौके पर श्री भैरव सेवा समिति अध्यक्ष गगन जैन, अनिल जैन (सचिव),रोटरी क्लब ऑफ भिवंडी अध्यक्ष रमेश मालानी, सेक्रेट्री प्रदीप राका,रोटेरियन महेश आंग्रे, पुरुषोत्तम पटेल,दिलीप गांधी,राजेश पालीवाला, सुरेंद्र जैन,अमित छाजेड़, डा एसडी जैन,डा नूर खान,जीवराज नागरिया, डा कमल जैन,संदीप सोमानी,दिलीप कोठारी, गुरुप्रसाद सिंह,दिलीप धुमाल,महेंद्र प्रताप सिंह सहित भारी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद थे.

4 वर्ष से थैलीसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए हो रहा रक्तदान..

रोटरी क्लब ऑफ थाने (घोड़बंदर) द्वारा संचालित ट्रायम बल्ड बैंक प्रमुख डा.प्रमोद वज्रेकर, टेक्नीशियन सोमैया, सोपान देऊलकर,भाग्यश्री की कुशल टीम द्वारा 121 रक्तदाताओं का रक्त थैलियों में संकलन किया.डा वज्रेकर ने बताया कि, ट्रायम बल्ड बैंक के माध्यम से 13 वर्षों से लगातार थैलीसीमिया पीड़ित बच्चों को निःशुल्क रक्त चढ़ाया जाता है.

मुंबई में 164 अनधिकृत स्कूल

- हज़ारों स्टूडेंट्स का भविष्य अधर में

मुंबई. एक चौंकाने वाली बात सामने आई है कि मुंबई में 164 स्कूल बिना इजाज़त के हैं। इन स्कूलों में स्टूडेंट्स का भविष्य अधर में लटका हुआ है और म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन 48 स्कूलों को मंज़ूरी दिलाने की कोशिश कर रहा है। हालांकि, यह प्रपोज़ल अक्टूबर 2025 से राज्य सरकार के पास पेंडिंग होने की वजह से स्टूडेंट्स और पेरेंट्स में चिंता बढ़ गई है। म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के एक सर्वे में शुरू में 2022-23 एकेडमिक ईयर में 269 बिना इजाज़त वाले स्कूल मिले थे। उसके बाद, कुछ स्कूलों ने डॉक्यूमेंट्स पूरे किए, कुछ के खिलाफ एक्शन लिया गया, जबकि कुछ स्कूलों को बंद कर दिया गया। फिर भी, यह साफ़ है कि 164 स्कूल अभी भी बिना इजाज़त के हैं।

मुंबई में 164 स्कूल बिना इजाज़त के हैं। खास बात यह है कि बाकी 48 स्कूलों को मंज़ूरी देने का मामला अभी भी पेंडिंग है। अगर इन स्कूलों को मंज़ूरी मिल जाती है तो हज़ारों स्टूडेंट्स को राहत मिल सकती है। लेकिन सरकार के फ़ैसले के इंतज़ार में स्टूडेंट्स का पढ़ाई का भविष्य पक्का नहीं है। म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने इन स्टूडेंट्स को दूसरे मंज़ूर स्कूलों में एडमिशन देने का ऑप्शन भी सोच-समझकर रखा है। हालांकि, शिक्षा के अधिकार का मुद्दा उठाते हुए पेरेंट्स तुरंत फ़ैसले की मांग कर रहे हैं। स्कूल तो अनऑथराइज़्ड है, लेकिन स्टूडेंट्स का क्या कसूर है? ऐसा सवाल अब उठ रहा है, और आलोचना हो रही है कि एडमिनिस्ट्रेटिव देरी का सीधा असर स्टूडेंट्स पर पड़ रहा है। राज्य सरकार को एजुकेशन सिस्टम के इस गंभीर मुद्दे पर तुरंत ध्यान देने की ज़रूरत है।

MCHI प्रॉपर्टी एक्सपो में विधायक संजय केलकर ने डेवलपर्स को दी चेतावनी

ठाणे. विधायक संजय केलकर ने MCHI प्रॉपर्टी एक्सपो 2026 के ज़रूरी इवेंट में हिस्सा लिया और ठाणे में डेवलपमेंट के मुद्दे पर अपना साफ़ और कड़ा रुख दिखाया। इस मौके पर परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक,नगरसेवक विकास पाटिल और सीताराम राणे भी मौजूद थे। विधायक केलकर ने ठाणे से अपने लगाव के बारे में बताया और कहा, 'मैं चार पीढ़ियों से ठाणे में रह रहा हूँ। इसलिए, यह मेरी ज़िम्मेदारी है कि ठाणे अच्छी तरह से प्लान किया हुआ और अच्छी हालत में हो। उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि वह ठाणे के हर नागरिक के साथ मज़बूती से खड़े रहेंगे।

ठाणे की पहचान के बारे में बोलते हुए, उन्होंने एक ज़रूरी बात उठाई। उन्होंने कहा ठाणे सिर्फ़ इमारतों का शहर नहीं है, यह एक ऐतिहासिक धरोहर से भी भरा हुआ है। इस धरोहर को बचाकर रखना बहुत ज़रूरी है और एक पब्लिक रिप्रेजेंटेटिव के तौर पर, मैं इस पर कड़ी नज़र रखूँगा। डेवलपर्स को संबोधित करते हुए उन्होंने साफ चेतावनी दी मुझे ठाणे के लिए बेहतरीन और क्वालिटी कंस्ट्रक्शन की उम्मीद है। लेकिन अगर रीडेवलपमेंट के नाम पर लोगों को धोखा दिया जाता है, तो मैं ऐसे मामलों को बर्दाश्त नहीं करूंगा।कार्यक्रम में मौजूद डेवलपर्स और नागरिकों ने केलकर के स्टैंड का स्वागत किया। ठाणे में बढ़ते रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स के बैकग्राउंड में उनके इस कड़े स्टैंड को अहम माना जा रहा है।

सामाजिक कार्यकर्ता के खिलाफ यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज

ठाणे. ठाणे शहर में 35 वर्षीय एक सामाजिक कार्यकर्ता के खिलाफ एक महिला का यौन उत्पीड़न करने और उसके आपत्तिजनक वीडियो का इस्तेमाल करके उसे ब्लैकमेल करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। मुंब्रा पुलिस ने बताया कि आरोपी फिलहाल फरार है और उसे ढूंढने के प्रयास जारी हैं।

मुंब्रा पुलिस के अनुसार, आरोपी ने कथित तौर पर जुलाई 2024 में शादी का झांसा देकर महिला को अपने जाल में फंसाया। पुलिस ने बताया कि वह उसे महापे और मुंब्रा के विभिन्न स्थानों पर ले गया, जहाँ उसने उसके साथ यौन उत्पीड़न किया। पुलिस के अनुसार, उसने इन कृत्यों का वीडियो भी बना लिया और बाद में महिला को ब्लैकमेल करने के लिए उनका इस्तेमाल किया।

पुलिस ने बताया कि आरोपी ने कथित तौर पर पीड़िता का इस्तेमाल सरकारी कार्यालयों से संवेदनशील फाइलें और दस्तावेज चुराने के लिए भी किया था।

उन्होंने बताया कि जब पीड़िता ने विरोध करने की कोशिश की, तो आरोपी ने उसके सिर पर लाठी से वार किया और उसे लात मारी।

मुंब्रा पुलिस ने पीड़िता की शिकायत के आधार पर शनिवार को आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 69 (धोखाधड़ी से यौन संबंध), 115(2) (स्वेच्छा से चोट पहुंचाना), 352 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान करना) और 351(2) आपराधिक धमकी के तहत मामला दर्ज किया।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि जांच ठाणे अपराध शाखा को सौंप दी गई है और संगठित गिरोह की संलिप्तता की संभावना की भी जांच चल रही है। पुलिस आरोपी के 'डिजिटल फुटप्रिंट' का पता लगा रही है और संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी कर रही है।

दूसरी बार पेरेंट्स बनेंगे दीपिका-रणवीर

- कपल ने बेटी दुआ की फोटो शेयर कर प्रेग्नेंसी की दी जानकारी

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण ने रविवार को अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी अनाउंस की। दीपिका और रणवीर के इंस्टाग्राम हैंडल पर उनकी बेटी दुआ की एक तस्वीर शेयर की गई, जिसमें बेटी ने एक प्रेग्नेंसी टेस्ट किट पकड़ी हुई है, जो पॉजिटिव रिजल्ट दिखा रहा है।

तस्वीर में रणवीर बेटी को गोद में लिए हुए हैं, हालांकि उनका चेहरा दिखाई नहीं दे रहा है। वहीं, तस्वीर में दुआ का आधा चेहरा नजर आ रहा है।

2024 में बेटी दुआ का जन्म हुआ था

बता दें कि दीपिका और रणवीर ने 8 सितंबर 2024 को अपनी बेटी दुआ के जन्म की जानकारी दी थी। उस समय उन्होंने लिखा था, 'वेलकम बेबी गर्ल। 8-9-2024। दीपिका और रणवीर।'

इससे पहले फरवरी 2024 में दीपिका ने प्रेग्नेंसी की घोषणा की थी। दीपिका और रणवीर ने कई साल तक रिलेशनशिप में रहने के बाद 2018 में इटली में शादी की थी।

कपल के वर्कफ्रंट की बात करें तो रणवीर हाल ही में फिल्म धुरंधर 2 में नजर आए थे, जो ब्लॉकबस्टर साबित हुई। धुरंधर 2 दुनिया भर में तीसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बन गई।

फिल्म की दुनिया भर में कमाई 1,748.91 करोड़ रुपए हो गई। इसने 1,742.10 करोड़ रुपए कमाने वाली अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा 2 को पीछे छोड़ दिया। अब यह सिर्फ दंगल (2070 करोड़) और बाहुबली 2 (1,788.06 करोड़) से पीछे है। वहीं, दीपिका शाहरुख खान के साथ फिल्म किंग में नजर आएंगी।

डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की 135वीं जयंती व सोशल सप्ताह का समापन

ठाणे। महाराष्ट्र सरकार के सोशल जस्टिस एंड स्पेशल असिस्टेंस डिपार्टमेंट की तरफ से पूरे राज्य में आयोजित 'सोशल सप्ताह' और भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की 135वीं जयंती ठाणे जिले में बड़े जोश के साथ मनाई गई। यह खास प्रोग्राम असिस्टेंट कमिश्नर, सोशल वेलफेयर, ठाणे ऑफिस की तरफ से 14 अप्रैल, 2026 को भिवंडी के गवर्नमेंट बॉयज एंड गर्ल्स हॉस्टल में आयोजित किया गया था। इस सेरेमनी के मौके पर 8 अप्रैल से चल रहे इक्वालिटी सप्ताह का समापन किया गया।प्रोग्राम की अध्यक्षता सोशल वेलफेयर डिपार्टमेंट की असिस्टेंट कमिश्नर समाधान इंगले ने की। पद्मश्री अन्नासाहेब जाधव जूनियर कॉलेज के प्रिंसिपल सुधीर घागस चीफ गेस्ट के तौर पर मौजूद थे, जबकि ज्योति गंगाओं और अमोल कांबले ने चीफ लेक्चरर के तौर पर ऑडियंस को गाइड किया। इस मौके पर डिपार्टमेंट के सभी ऑफिसर, स्टाफ और ठाणे जिले के अलग-अलग हॉस्टल में एडमिशन लेने वाले स्टूडेंट्स बड़ी संख्या में मौजूद थे।प्रोग्राम का मेन अट्रैक्शन रहे लेक्चर में ज्योति गंगाओं और अमोल कांबले ने महाड में चावदार झील सत्याग्रह की सौवीं सालगिरह के मौके पर इस ऐतिहासिक संघर्ष के बारे में डिटेल में जानकारी दी। अपने गाइडेंस में, उन्होंने ह्यूमन राइट्स की इंपॉर्टेंस और डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर द्वारा दी गई बराबरी की लड़ाई की विरासत को आज की पीढ़ी को कैसे आगे बढ़ाना चाहिए, इस पर रोशनी डाली। प्रेसिडेंट स्पीच में, समाधान इंगले ने डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के जीवन के कामों का रिव्यू किया और उनके विचारों की रेलेवेंस पर रोशनी डाली। प्रोग्राम की शुरुआत डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की मूर्ति को सैल्यूट करके और 'भीम वंदना' करके पूरा माहौल भीम से भर गया। साथ ही, इस मौके पर बाबासाहेब के जीवन पर आधारित 'भीम गीत' का लाइवली परफॉर्मेंस भी हुआ।

पड़ोसी की हत्या के दोषी को आजीवन कारावास की सजा

ठाणे. महाराष्ट्र के ठाणे जिले की एक अदालत ने 2016 में एक विवाद को लेकर अपने पड़ोसी की चाकू मारकर हत्या करने के आरोपी 42 वर्षीय व्यक्ति को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

उसके माता-पिता को अपराध में उनकी भूमिका साबित करने के लिए सबूतों की कमी का हवाला देते हुए बरी कर दिया।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश डी एस देशमुख ने शुक्रवार को मोहम्मद असगर उर्फ समर दिलशाद हुसैन सैयद को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) और 504 (जानबूझकर अपमान) के तहत लगाए गए आरोपों में दोषी पाया।

अदालत ने उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई और 50,000 रुपये का जुर्माना लगाया।

अदालत ने असगर के पिता दिलशाद हुसैन शाहंशाह सैयद और मां इफसारी दिलशाद हुसैन सैयद को बरी कर दिया।

अतिरिक्त लोक अभियोजक वी जी काडू ने मुंब्रा के कौसा इलाके में 21 मई, 2016 को हुई घटना के बारे में बताया, जब पीड़ित अहमद रजा शेख का असगर से अपनी बहन को कथित तौर पर परेशान करने और उसके घर में ताक-झांक करने को लेकर झगड़ा हो गया था।

उनके बीच हाथापाई हुई और आरोपी अपने घर से चाकू ले आया तथा गवाहों के सामने अहमद पर कई बार वार किया। पीड़ित ने तीन दिन बाद सायन अस्पताल में दम तोड़ दिया।

न्यायाधीश देशमुख ने गौर किया कि अभियोजन पक्ष के गवाहों ने अपने बयानों में 'सुधार' करते हुए कहा है कि आरोपी के माता-पिता ने पीड़ित के हाथ पकड़ लिए थे जिससे वह अपना बचाव नहीं कर पाया।

आम सूचना

हम श्री सुनील किसनराव नवाडे व श्रीमती रेश्मा सुनील नवाडे सभी को सूचित कर रहे हैं कि शॉप, चाल नं. ए, नीलकंठ कॉलोनी, उल्हासनगर- 5 (टैक्स नं. 57डीओ013780500) उक्त प्रॉपर्टी श्री मोहनदास रेलूमल नागपाल के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 29.8.2023 सी.नं. 1522/23 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री सुनील किसनराव नवाडे व श्रीमती रेश्मा सुनील नवाडे

आम सूचना

मैं श्री पितांबर देवाराम वाडेकर सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम नं. 4 (केडीएमसी रिकार्ड के मुताबिक), फ्लैट नं. 302, शिवदर्शन/शिव विसार अपार्टमेंट, आशेला गांव, यशवंत विद्यालय के पास, तालुका अंबरनाथ (टैक्स नं. आय0102329700) उक्त प्रॉपर्टी श्री श्री पंकज शालिग्राम बोंडे के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 18.4.2026 सी.नं. 45 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री पितांबर देवाराम वाडेकर

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099